Vishnulene
VSM SUITINGS & SHIRTINGS
Vishnu Laxmi Silk Mills
29,A-6, Udit Mittal Ind. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai- 59
E-mail: shahsaras@gmail.com

पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 24-03-2023 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-25 | अंक-19 | भीलवाड़ा/ 22 मार्च, 2023 | कुल पृष्ठ- 24 | मूल्य : 25 रुपए

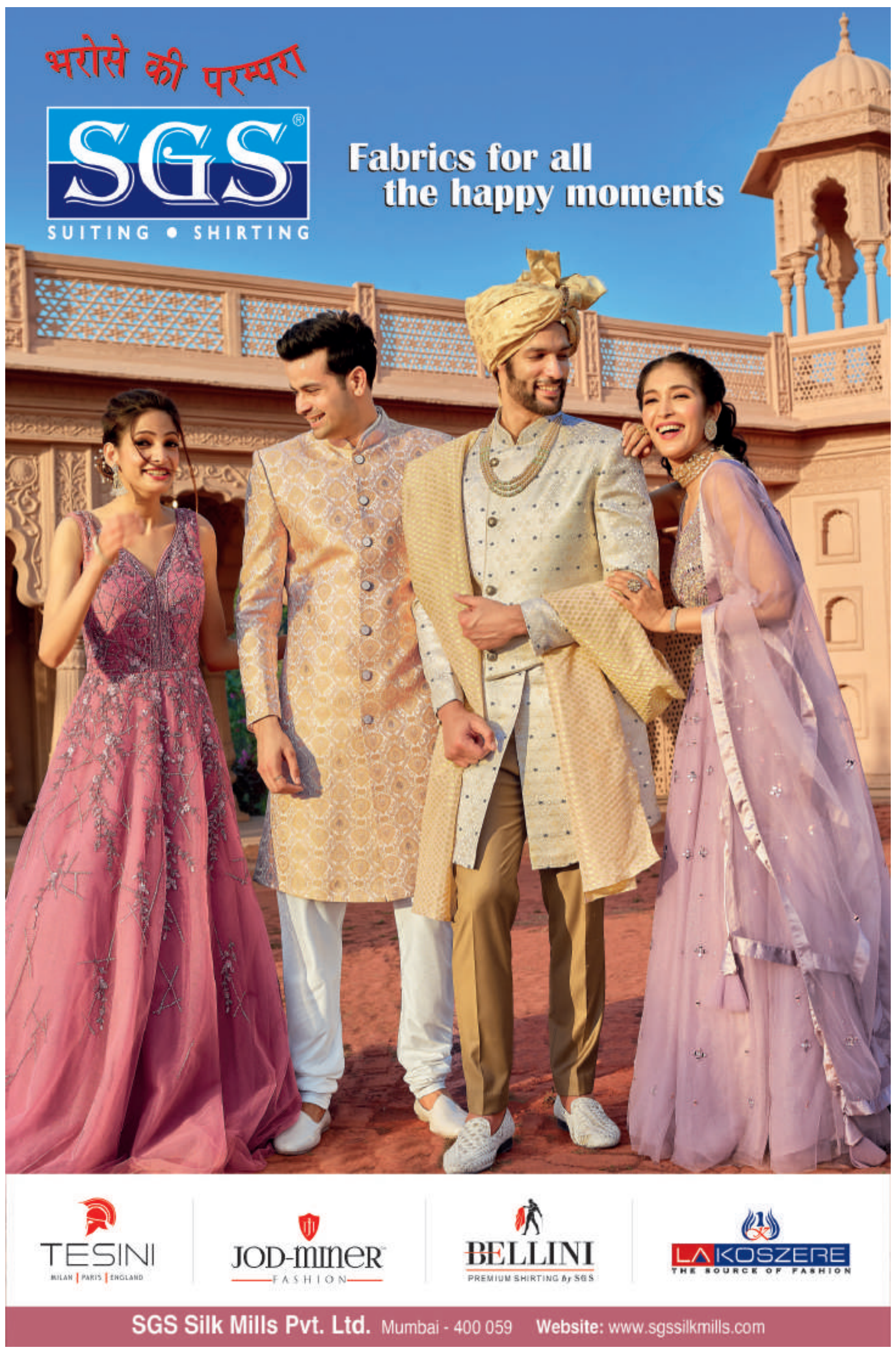

देश में टेक्निकल टेक्सटाइल की व्यापक संभावनाएँ

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

2047 तक उद्योग पहुंच सकता है 200 बिलियन डॉलर तक

देश में टेक्निकल टेक्सटाइल उद्योग के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और यह 2024 तक 200 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह कहना है कि कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल का। फिक्की के एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि इस समय विकास के लिए भारत को वृद्धि, पैमाना और गति पर ध्यान देने की जरुरत है।

यह भी कहा कि यह सही समय है जब भारत को वृद्धि, पैमाने और गति पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि

Since 1999 9004668794
KATARIA
INSURANCE
SHOP . GODOWN . FACTORY

विश्व आज सप्लाई के लिए भारत की ओर देख रहा है और भारत विश्व बाजार पर कब्जा कर सकता है तथा भारत वैश्विक अर्थ-व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फिक्की द्वारा आयोजित टैक्नोटैक्स 23 को सम्बोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि 2047 तक देश का टेक्निकल टेक्सटाइल उद्योग 100-125 बिलियन डॉलर का हो सकता है और यदि अपनी गति बढ़ाएं तो 200 बिलियन का लक्ष्य भी देख सकते हैं। भारत का टेक्निकल टेक्सटाइल उद्योग 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उनका कहना हैकि यदि टेक्निकल टेक्सटाइल के प्रयोग करने की व्यापक रेंज को देखें तो यह भविष्य का क्षेत्र है।

उन्होंने स्टार्ट अप्स और बड़े कार्पोरेट घरानों से अपील की कि वे टेक्निकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में तेजी से विस्तार करने की सोचें। इस समय विश्व के टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2.50 प्रतिशत है। यदि हम इस उद्योग के बारे में बताएँ, तो हमारी भागीदारी 12 प्रतिशत से भी अधिक की दर से बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का रुख वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने की ओर होना चाहिए। हमें अपनी अर्थ-व्यवस्था को विकसित देशों के साथ एकीकृत करना होगा, ताकि अपनी क्षमता तक पहुंच सके। आगे बढ़ने के लिए हमें प्रधानमंत्री के पांच एफ के फॉर्मुले 'फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन' को याद रखना चाहिए।

शेषांश पृष्ठ 6 पर....

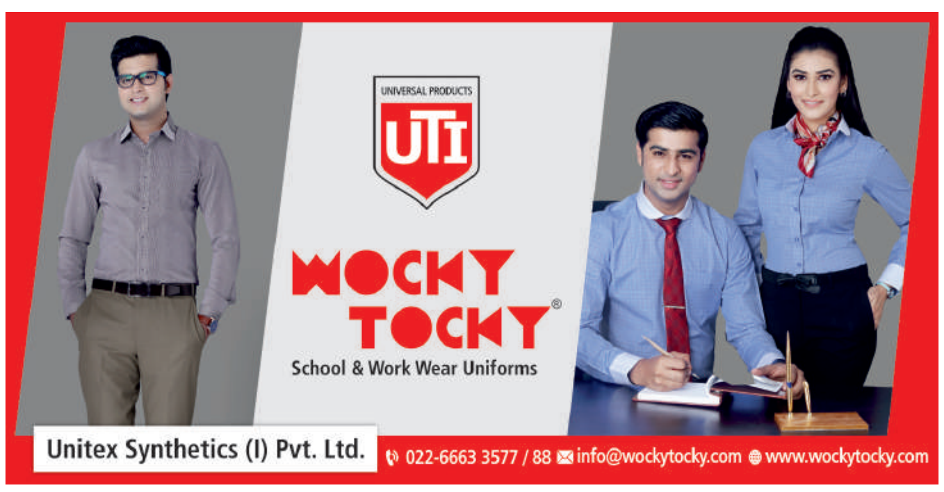

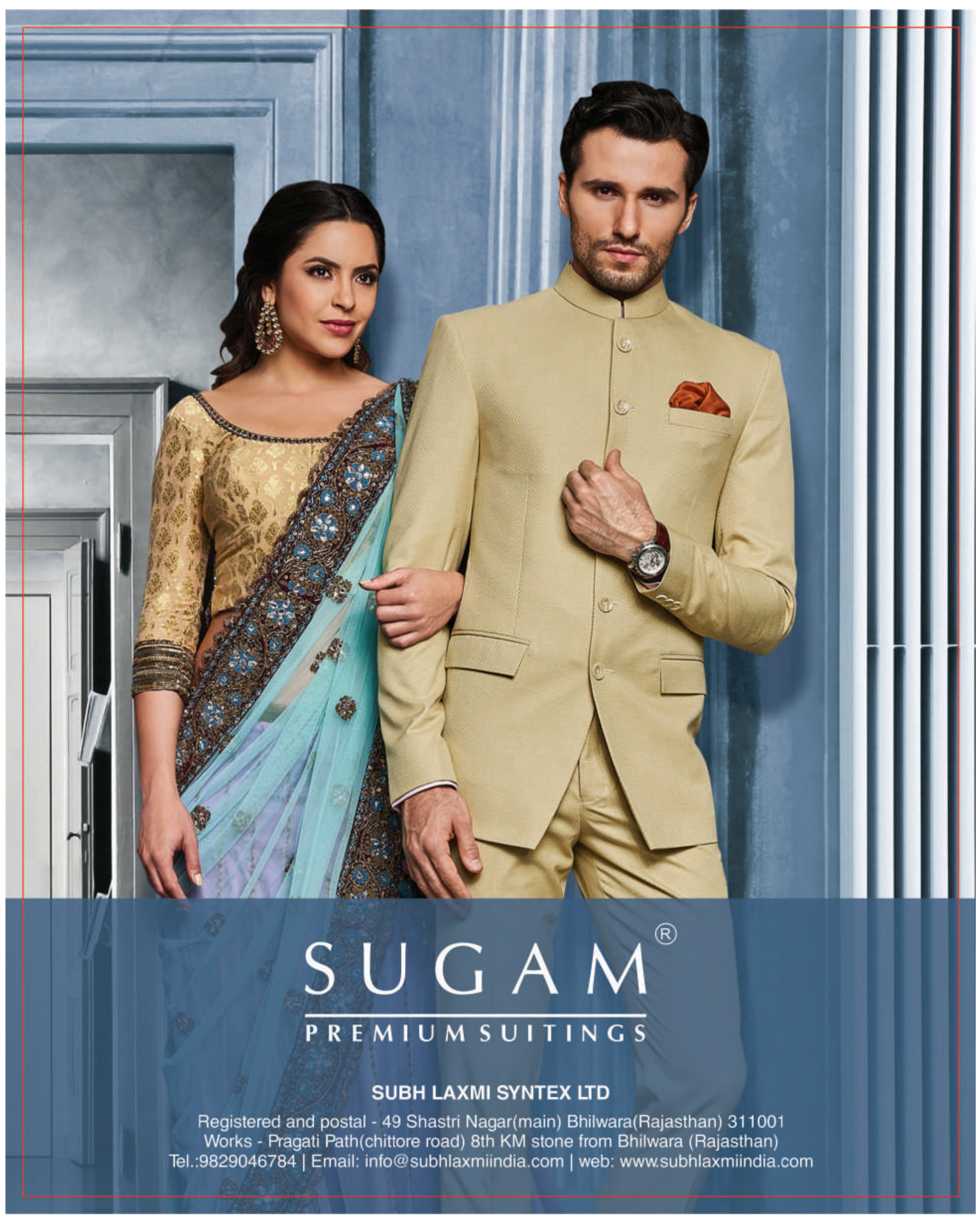

HI-FABRIQUE INC.,

TESSITURA MONTI INDIA

हाई फैब्रिक ग्रुप ने टेसिटुरा मोंटी स्पा के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण किया

हाई वैल्यू यार्न डाइड शर्टिंग बाजार में हाई फैब्रिक ग्रुप की बढ़ेगी हिस्सेदारी

श्री जोधराज माण्डोत

श्री आकाश जैन

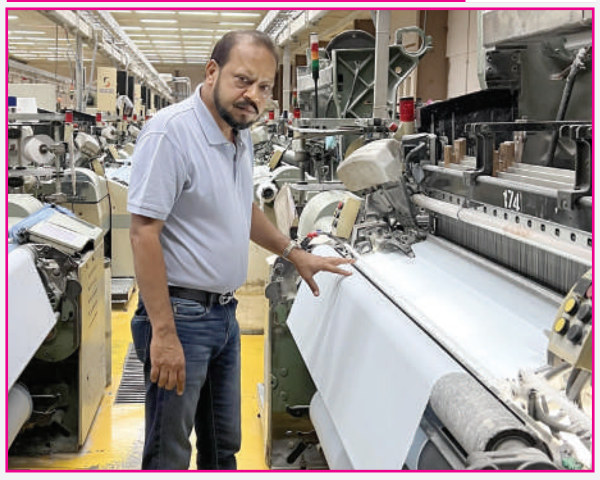

बेंगलुरु/ Tessitura Monti India Pvt. Ltd. (TMIPL), Tessitura Monti Spa, इटली की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो विश्व स्तर पर परिष्कृत लक्जरी और उच्च मूल्य वाले कॉटन कपड़े के बेहतरीन निर्माताओं में से एक है। बेंगलूरु स्थित कॉटन कपड़े विक्रेता **हाई फैब्रिक ग्रुप** ने कपड़ा कताई, बुनाई और प्रसंस्करण में लगी इस इटालियन कंपनी टेसिटुरा मोंटी स्पा के भारतीय कारोबार के अधिग्रहण की घोषणा की।

कोल्हापुर में स्थित यह कम्पनी (मिल) सौ एकड़ में फैला अतिआधुनिक तकनीकों से लैस, सुसज्जित है एवं मुख्य रूप से अपने उत्पादों को निर्यात करती है। ऐसी दो कम्पनी इटली में संचालित है एवं यह अधिग्रहित एशिया में अकेली कम्पनी है, जो अपनी श्रेष्ठ गुणवत्ता एवं उच्च स्तर का कॉटन शर्टिंग बनाती है।

टेसिटुरा मोंटी स्पा कम्पनी को इटली सरकार से हाई फेब्रिक्स ग्रुप बेंगलूरु ने खरीदा है। इसका कॉरपोरेट ऑफिस बेंगलूरु में स्थित है। इस सौदे से घरेलू फर्म हाई फैब्रिक (एचएफ) ग्रुप को मदद मिलेगी, जिसकी भारत के उच्च मूल्य वाले यार्न डाइड शर्टिंग फैब्रिक्स बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उद्योग जगत के सूत्रों के मुताबिक यह सौदा करीब 205 करोड़ रुपये में हुआ है। ह्यूगो बॉस, चार्ल्स टायरविट, पोलो राल्फ लॉरेन, हैकेट, प्रादा, गुच्ची, थॉमस पिंक, टेलर मैन और कैफे कॉटन आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड टीएमआईपीएल के ग्राहक हैं।

हाई फैब्रिक ग्रुप... 1993 में श्री जोधराज माण्डोत द्वारा बेंगलुरु में परिधान निर्यातकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया गया, हाई फैब्रिक ग्रुप प्रीमियम कॉटन शर्टिंग-रेडी फैब्रिक का भारत का सबसे बड़ा स्टॉकिस्ट है। यह लुइस फिलिप, वैन ह्यूसेन, ब्लैकबेरी, पार्क एवेन्यू, सियाराम, पीटर इंग्लैंड, यूएस पोलो, एरो, बेसिक्स, पैन अमेरिका, टर्टल, फ्रेंच क्राउन, हैमर कॉप, अमेजन, मिंत्रा, लाइफस्टाइल आदि जैसे 500 से अधिक ब्रांडों को आपूर्ति करता है। बैकवार्ड और फारवार्ड इंटिग्रेशन के साथ यह कम्पनी चलती है जो सिर्फ नामी गिरामी ब्रांडेड कम्पनियों के लिए अपना उत्पाद तैयार करती है।

TMIPL की कोल्हापुर, महाराष्ट्र में यूनिट है, जो मुख्य रूप से निर्यात के लिए स्थापित है। साथ ही यह स्थानीय स्तर पर भी आपूर्ति करती है। कोल्हापुर इकाई अपने उत्पादन का 20 प्रतिशत घरेलू बाजारों में आपूर्ति करती है, जिसका उपयोग ब्लैकबेरी, जोडिएक, रेमंड्स, लुइस फिलिप, वैन ह्यूसेन, नौटिका, केल्विन क्लेन, टॉमी हिलफिगर आदि जैसे ब्रांडों द्वारा किया जा रहा है।

श्री जोधराज माण्डोत, जिन्हें कपड़ा क्षेत्र में 42 वर्षों का अनुभव है, टेसिटुरा मोंटी इंडिया के चेयरमैन हैं। श्री आकाश जैन मैनेजिंग डायरेक्टर एवं श्री नवीन रांका मार्केटिंग डायरेक्टर हैं। ग्रुप के जोधराज माण्डोत ने बताया कि टेसिटुरा मोंटी इंडिया अधिग्रहण के साथ, हम अधिक मजबूत और विविध उत्पाद पोर्टफोलियो बनाने के लिए दोनों कंपनियों की ताकत का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। अपनी विशेषज्ञता, संसाधनों और प्रतिभा को मिलाकर, हम उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे। हम ग्राहकों को ऐसी गुणवत्ता युक्त उत्पाद देते हैं जो उनकी अपेक्षाओं से अधिक है। भविष्य में भी यह ग्रुप बाजार में अपनी उच्च गुणवत्ता को बनाये रखेगा एवं ग्राहकों को अपना उत्कृष्ट उत्पाद उपलब्ध करवायेगा।

Left to Right: Mr. Naveen Ranka Director Monti, Jodhraj Mandoth Chairman Monti, With Italian Commissioner Fabio Pettinato, Italian Government Receiver Luciano Crafa In Milan Italy for signing of Ownership Documents.

Shri Akash Jain MD, Shri Ramkrishna Prabhu CFO, Shri Jodhraj Mandot Chairman, Esha Raj Creative Director, Mr. Fabio Pettinato Italian Commissioner, Ministry of Economic Affairs, Mr. Andrea CFO of Monti Italy, Mr. Nicola Monti, Sachin, Company Secretary Monti. In Hi Fabrique office.

वस्त्रोद्योग नीति की ओर पूरे राज्य की नजरें

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

राज्य सरकार की ओर से नई वस्त्रोद्योग नीति जाहिर की जाने वाली है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़े सभी घटकों की नजरें इस ओर लगी हुई है। वस्त्रोद्योग संकट का सामना करते समय तत्कालीन सरकार ने कई घोषणाएँ की। इन घोषणाओं के चलते वस्त्रोद्योग को नव संजीवनी मिलेगी ऐसी अपेक्षा थी, लेकिन बड़ी बड़ी घोषणाएँ और अमल कुछ भी नहीं, ऐसा कुछ अनुभव वस्त्रोद्योग ने लिया है। राजकीय अनास्था का असर वस्त्रोद्योग पर हुआ। वस्त्रोद्योग की समस्या बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में नई वस्त्रोद्योग नीति पावरलूधारकों के लिए पूरक होगी क्या, ऐसा सवाल उपस्थित किया जा रहा है।

तत्कालीन भाजपा-सेना सरकार ने राज्य के सीधे पावरलूमों को ब्याज में 5 फीसदी सहूलियत जाहिर की थी। इस सहूलियत के चलते पूरे राज्य के पावरलूमधारकों को 250 करोड़ रुपए की सहुलियत मिलती। इचलकरंजी को इसमेंसे 175 करोड़ रुपए सहूलियत मिल सकती थी, लेकिन उस पर अमल नहीं होने के चलते कई पॉवरलूम भंगार में गए। पॉवरलूम की तरह आधुनिक पॉवरलूम के लिए भी 5 फीसदी ब्याज अनुदान जाहिर किया था, जिससे राज्य में औसतन 900 से 1000 करोड़ रुपए तक का अनुदान मिल सकता था। इसमें इचलकरंजी के लिए 700 करोड़ रुपए अनुदान मिल सकता था, जबकि इस पर अमल नहीं होने से बैंक का कर्जा भी कई पॉवरलूमधारक चुकता नहीं कर सके, कईयों का कर्जा एनपीए में चला गया।

इस बीच वस्त्रोद्योग नीति तय करने के लिए इससे पहले पाँच सदस्यों की समिति का गठन किया था, जबकि नई वस्त्रोद्योग नीति के लिए 30 से 32 लोगों की समिति का गठन किया गया है। ऐसे में इन लोगों में कब सहमति बनेगी और कब सहुलियत मिलेगी, ऐसा सवाल उठाया जा रहा है।

राज्य सरकार 2023-28 के लिए नई वस्त्रोद्योग नीति जहीर करने वाली है। इस नीति में जिन योजनाओं पर अमल हो सकता है, ऐसी योजना लाए, क्योंकि नीति जाहिर होने के बाद कई उद्यमी उद्योग तो शुरू करते हैं, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ तो उनकी अवस्था 'ना घर का ना घाट का' ऐसी हो जाती है।

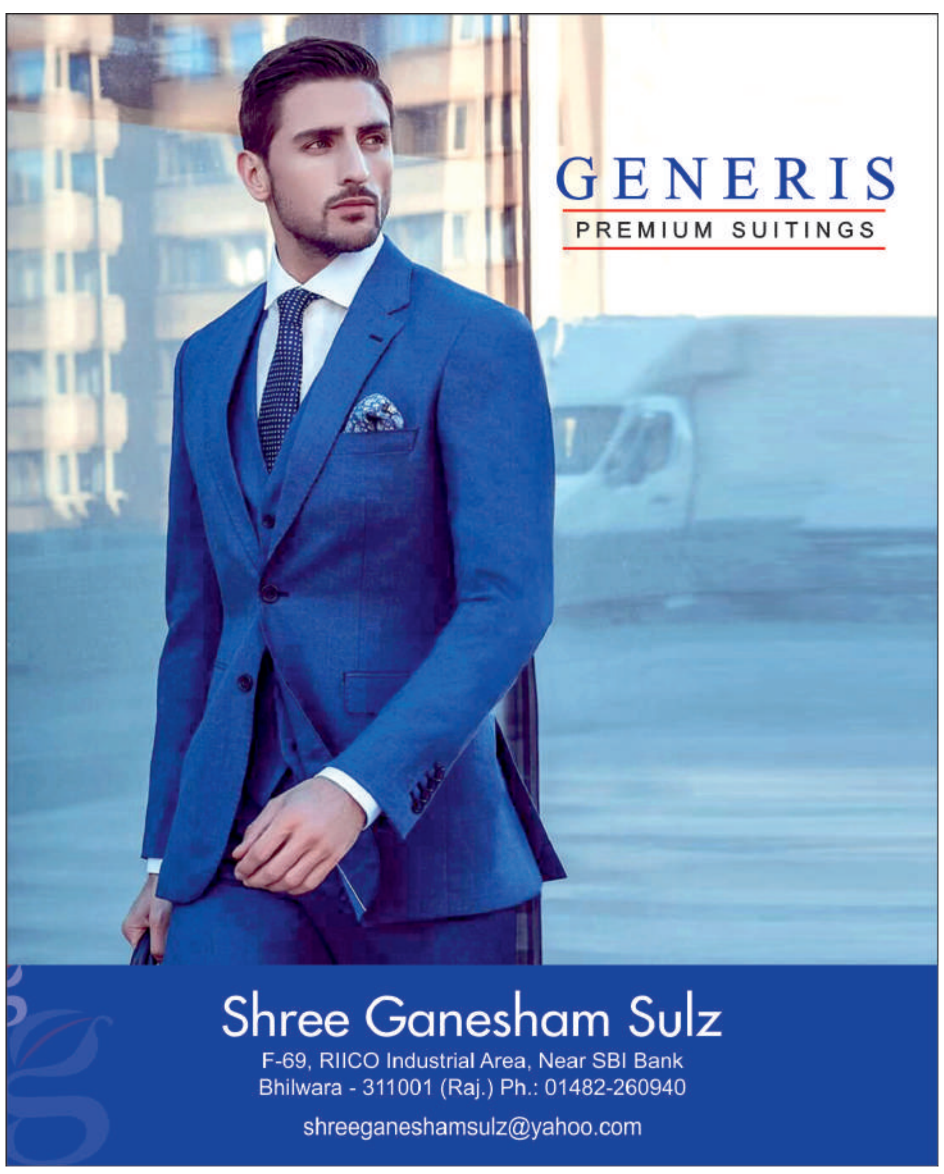

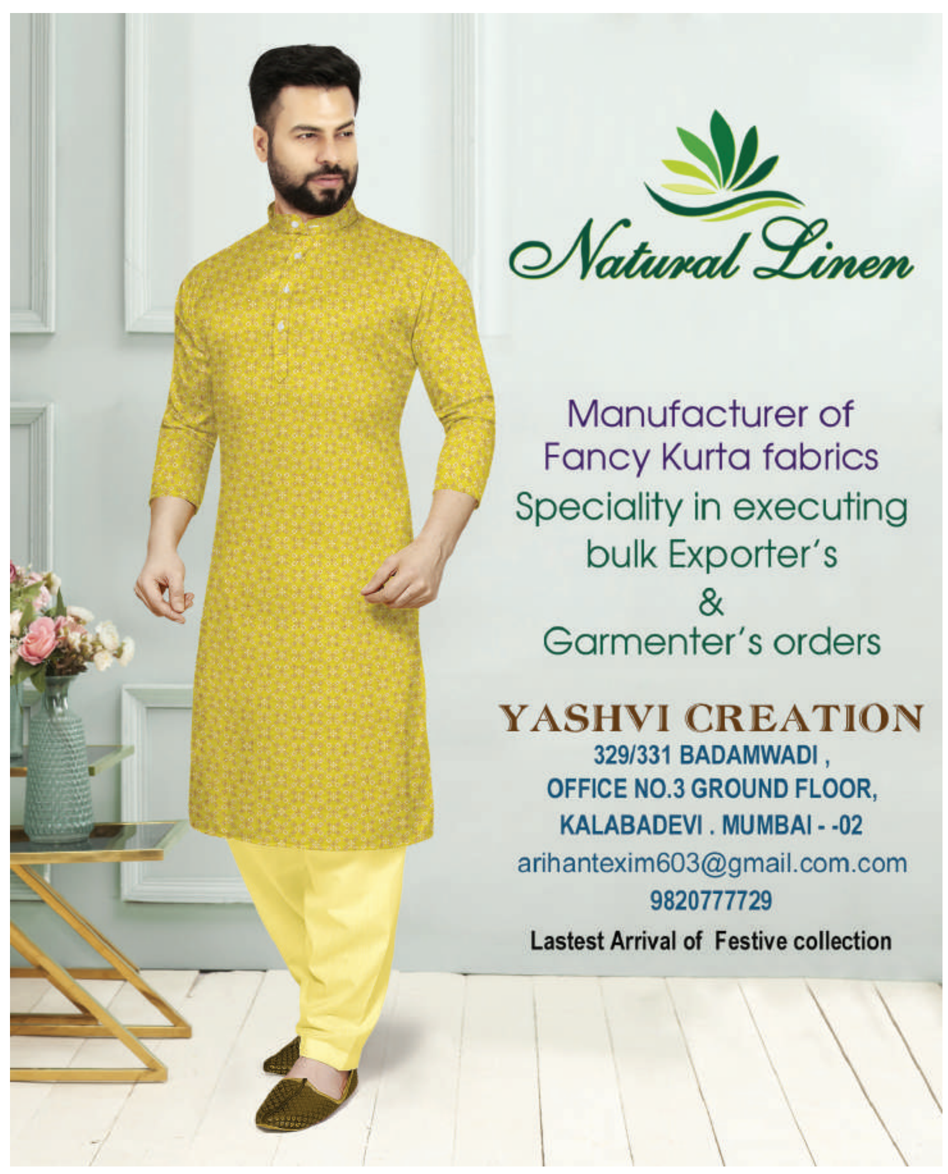

रमजान की बुकिंग जारी

रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा

बाजार होली की ग्राहकी के बाद सुस्त हो गया है। अब रमजान पर चलने की पूरी उम्मीद है, क्योंकि यू. पी. बिहार से कपड़े की डिमाण्ड आनी शुरू हो गई है। प्राइमरा सुल्ज की जोनपुर, इलाहबाद और आसपास के क्षैत्रों में रमजान की बुकिंग चल रही है। सेल्समेन सभी ओर घूम रहे हैं और अच्छी बुकिंग हो रही है। इस समय हरियाणा क्षैत्र में ग्राहकी नहीं है, किन्तु आगे बाजार अच्छा चलेगा क्यों कि नवरात्रि से बाजार चलने की उम्मीद है।

MAHENDRA JAIN
+91 94138 60897
+91 63785 41066
।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।
HARSH JAIN
+91 94611 32695
Deal with ease, deal with us
Bhairav Syntex
Textile Agent
Specialisation in UNIFORM & CORPORATES
112, 1st Floor, Shreenath Tower, Pur Road, Gangapur Choraha
Bhilwara-311001 (Raj.) bhairavsyntex11@gmail.com

SHREE RADHEY SULZ एवं LA-PIANO के नए डवलपमेंट्स की बाजार में अच्छी मांग

फैंसी पीवी, एथनिक फैब्रिक्स एवं लाइक्रा रेंज में भरपूर काम

भीलवाड़ा/ सत्कार ग्रुप की मेंस वीयर फैब्रिक्स के उत्पादन में निपुण कंपनी श्री राधे सिल्क मिल्स प्रीमियम फैंसी पीवी सूटिंग्स, टीआर सूटिंग्स एवं एथनिक फैब्रिक्स के उत्पादन में अग्रणी कंपनी है। इसकी फैब्रिक रेंज Shree Radhey Sulz एवं La-Piano ब्राण्डनेम से राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात है। डायरेक्टर श्री गोविन्द प्रसाद सोडानी के नेतृत्व में इनके युवा सुपुत्र श्री जय प्रकाश सोडानी श्री राधे सिल्क मिल्स में अपनी इनोवेटिव सोच से मेन्स फैशन के लिए कई अभिनव प्रयोग कर रहे हैं। सूटिंग फैब्रिक उत्पादन में कंपनी को उच्चतम स्तर पर ले जाने के संकल्प के साथ व्यवसायरत श्री सोडानी मेन्स फैशन के लिए नित नए डवलपमेंट कर रहे हैं। कंपनी द्वारा वैडिंग सीजन के लिए दोनों ब्राण्ड्स के तहत नए कलर्स, नए डिजाइंस एवं नए टेक्सचर्स में व्यापक फैब्रिक रेंज तैयार की गई, जिसकी इस समय बहुत अच्छी मांग है। कंपनी ने वर्ष की अंतिम तिमाही में अच्छी बिक्री दर्ज की है।

Shree Radhey SULZ CHANGE YOUR LIFE STYLE — LA PIANO LUXURY ITALIAN FABRIC

वेडिंग सीजन स्पेशल रेंज की अच्छी मांग...कंपनी के युवा डायरेक्टर श्री जय प्रकाश सोडानी के अनुसार वैडिंग एवं समर सीजन के लिए कंपनी ने श्री राधे सुल्ज ब्राण्ड में काफी सारे नए डवलपमेंट्स किये हैं, वहीं फैशन एवं स्टाइल आइकॉन ब्राण्ड La- Piano के तहत भी जमकर नए डवलपमेंट कर रही है। कोट-पेण्ट, फॉर्मल एवं कैजुअल ट्राउजर के लिए सुपर फाइन टीआर सूटिंग फैब्रिक्स में फुल रेंज तैयार की है। इसी तरह कंपनी ने एथनिक फैब्रिक्स (जैकॉर्ड फैब्रिक्स) में नए कलर्स एवं नए डिजाइन्स में स्टाइलिश कलेक्शन तैयार किया है, जिसमें एथेनिक वीयर जैसे कुर्ता पायजामा, शेरवानी, इंडोवेस्टर्न, जैकेट्स के लिए श्रेष्ठ विकल्प के तौर पर चुने जा रहे हैं। इस सीजन में प्रिंट एवं जैकार्ड फैब्रिक्स की बहुत अच्छी ग्राहकी रही। समर सीजन के हिसाब से लाइट कलर्स में अलग अलग कॉन्सेप्ट पर काम कर रहे हैं, वहीं रेडी माल में अच्छे ऑर्डर्स प्राप्त हो रहे हैं।

बाजार की गतिविधियाँ सामान्य

ब्यावर/ अनिल डोसी... बाजार में बिक्री सामान्य है। आगे अक्षय तृतीया व लग्न हैं, इसमें ग्राहकी अच्छी चलने की पूरी सम्भावना है। व्यापारियों ने उसी हिसाब से तैयारी की हुई है। गर्मी अपना असर दिखाने लगी है, ईद का त्यौहार भी आ रहा है, तो उसी अनुसार कपड़ों की बिक्री भी अच्छी चलेगी। कुल मिलाकर बाजार में अच्छा व्यापारङ्ग होने की उम्मीद है। ग्रे का मार्केट स्थिर है। पेमेण्ट की आवक ठीक ही है। आजकल रेडीमेड का चलन भी ज्यादा ही बढ़ रहा है।

फैन्सी मालों में डिमाण्ड हल्की परंतु यूनिफॉर्म सेक्टर से मण्डी का संतुलन बरकरार

भीलवाड़ा/कमलेश व्यास

देश की तमाम मण्डियों में स्थानीय मण्डी से कुल 9 करोड़ मीटर कपड़ा उत्पादन होकर डोमेस्टिक एवं एक्सपोर्ट सेक्टर में आपूर्ति हो रहा है, जिसमें डेनिम भी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों से काउंटर सेल शनैः शनैः कम होती जा रही है, जिसमें मण्डी की मार्केटिंग का पैटर्न भी परिवर्तित हुआ क्योंकि रेडीमेड सेक्टर द्रुतगति से विस्तृत हुआ फिर भी मण्डी में कपड़े का उत्पादन लगाकर बढ़ता ही रहा, जिसके पीछे कारण रहा बाहर का जॉब यहां पर आना, डेनिम एवं यूनिफॉर्म सेक्टर में ग्रोथ होना। कुल मिलाकर भीलवाड़ा मण्डी के कुल उत्पादन में वितरण के स्वरूप को देखें तो फैंसी कपड़ा, काउंटर सेल, यूनिफॉर्म सेक्टर, गारमेंट सेक्टर, निर्यात बाजार में कपड़ा सप्लाई हो रहा है। इसके अलावा जॉब कार्य में वीविंग सेक्टर में काफी ऑर्डर आ रहे है। पिछले समीक्षागत पखवाड़े की बात करें तो यूनिफॉर्म फैब्रिक शीर्ष पर थी परंतु अब ग्राफ नीचे आने लगा, जिससे यार्न बाजार में ठहराव आ गया है। विदेशों में धागे की डिमांड कम होने से मिलों की नजर डोमेस्टिक बाजार पर है, क्योंकि स्पन यार्न कंजप्शन में पूरे देश की नजर अब भीलवाड़ा मण्डी पर है। पिछले वर्ष अप्रैल से यार्न दरें 280 तक थी, जो वर्तमान में 240 तक आ चुकी है। भीलवाड़ा के लिए वीविंग उद्योग को पाकिस्तान के खराब हालात से भी लाभ मिलता दिख रहा है, क्योंकि वहां से लूमें वाया अन्य देशों से होकर भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही है।

यूनिफॉर्म सेक्टर में उत्पादन बढ़ा

इस क्षेत्र में स्थानीय उद्यमियों की मार्केटिंग के अलावा देश की लगभग सभी शीर्ष कंपनियां यहीं पर जॉब द्वारा उत्पादन कर रही है, क्योंकि लागत यहां कम आती है। इसके चलते कई दिग्गज यूनिफॉर्म निर्माताओं के ऑफिस एवं वेयर हाउस यहां खुल चुके हैं। बाजार में उद्यमियों का कहना है कि यूनिफॉर्म सेक्टर अब वर्ष भर चलने लगा है, क्योंकि स्कूल यूनिफॉर्म का तो एक निश्चित टाईम होता है परंतु अन्य कई सेक्टर में यूनिफॉर्म सप्लाई हो रही है जिसमें कॉरपोरेट, गवर्नमेण्ट सप्लाई, इण्डस्ट्री, होस्पिटल, एयर लाईन, आर्मी, होटल एवं अन्य कई सेक्टर में भी यूनिफॉर्म कोड लगातार बढ़ता जा रहा है, इसके मद्देनजर वर्षभर उत्पादन हो रहा है।

ए.के. स्पिनटेक्स के टेक्निकल चीफ श्री अरूण सिंह ने बताया कि यूनिफॉर्म सेक्टर में गत पखवाड़े तक काफी मात्रा में कपड़ा प्रोसेस गृह में आ रहा था परंतु अब उसमे उतार आया है लेकिन कम ज्यादा मई-जून तक चलेगा। श्री सिंह ने बताया कि यूनिफॉर्म फैब्रिक तो मण्डी में स्थानीय एव ऑल इण्डिया का निर्माण केन्द्र बन चुका है लेकिन काउन्टर के कपड़े में कमी आ रही है, इस पर उद्यमियों को सोचना होगा, क्योंकि लम्बे समय तक स्टॉक रखना न तो प्रोसेस गृहों को उपयुक्त होगा और न ही उद्यमियों को। हालाँकि फिलहाल तक प्रोसेस गृहों में कपड़े की कमी नहीं है और मण्डी के अधिकांश प्रोसेस गृह एक्सपांशन लाने की तैयारी में हैं।

शिव एजेंसी मण्डी के प्रमुख यार्न सप्लायर श्री अरूण अग्रवाल ने बाजार की स्थिति के बारे में बताया कि यूनिफॉर्म सेक्टर में धागे की अच्छी लिवाली हुई, लेकिन इस क्षेत्र में भी अब सप्लाई अधिक होने से प्रतिस्पर्धा पनप गई है। पिछले समय में यूनिफॉर्म के घर चुनिंदा हुआ करते थे, जिसमें उनकी महारत होती थी। अब यूनिफॉर्म का दायरा कई सेक्टर में बढ़ने से 12 महिने फैब्रिक बन रही है। फिलहाल एक्सपोर्ट डॉउन होने से यार्न मिलें प्रेशर में है। आगामी लगन सीजन की संभावित मांग से स्थिति बेहतर होगी।

वीविंग- कोविड के बाद बढ़ी महंगाई से लेबर, कारीगर, मास्टर एवं अन्य लागत बढ़ने से जॉब दरें आगे बढ़ी हुई रहने की संभावना है, इधर चाइना में अस्थिरता से केमिकल एवं पार्ट्स में भी दरें बढ़ी है। वर्तमान में वीविंग दरें 22 से 24 पैसे डबल में और 25 से 30 पैसे सिंगल में बनी हुई है।

उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा स्वाभिमान यात्रा

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा दिंनाक 14 मार्च को प्रस्तावित स्वाभिमान यात्रा के सम्बन्ध में एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी श्री अरविंद मकप्पा बंगारी एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. संजीव कुमार सुमन से मिला व उन्हें प्रस्तावित स्वाभिमान यात्रा के कार्यक्रम से अवगत कराया। पं. श्याम बिहारी मिश्रा एवं लाला विश्वम्भर दयाल की अगुवाई में समूचे प्रदेश के व्यापारियों को संगठित करके व्यापार मण्डल की पचासवीं स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष श्री मुकुन्द मिश्रा, महामंत्री श्री राजेन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय प्रकाश जैन, प्रदेश चेयरमेन श्री महेन्द्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी इस यात्रा का सक्रिय सचांलन करेंगे। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी जी से नगर पालिका की दुकानों से किराएदार सम्बंधी श्री चर्चा की गई। इस अवसर पर श्री अशोक कंसल सहित प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

होलसेल कपड़ा कमेटी द्वारा होली उत्सव आयोजित

बरेली/ राजीव अरोड़ा

बरेली होलसेल कपड़ा कमेटी द्वारा होली के अवसर पर फू लों से होली खेलने का आयोजन किया गया, जिसमें सभी व्यापारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। वृन्दावन से आई राधा कृष्ण मण्डली ने रास लीला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर क्षैत्रीय विधायक व सांसद भी उपस्थित रहे।

कपड़ा कमेटी के अध्यक्ष श्री अनुपम कपूर के सभी आगन्तुकों एवं व्यापारियों का स्वागत किया। श्री राधाकृष्ण मण्डली के रास लीला मंचन से सभी व्यापारी भाव विभोर हो गए। अन्त में सभी व्यापारियों के परस्पर शुभ कामनाओं का आदान प्रदान किया। कार्यक्रम में श्री पकंज आनन्द, श्री अशोक अरोड़ा आदि का सराहनीय सहयोग रहा। समापन रात्रिभोज के साथ सम्पन्न हुआ।

मुजफ्फरनगर/ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पूरे राज्य के प्रदेश अध्यक्ष श्री मुकुंद मिश्रा जी एवं मुजफ्फरनगर के राजघराना श्री कुंवर विजय राज सिंह जी चौधरी एवं चौधरी लाल सिंह मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम पालीवाल एक अच्छी सप्रेम भेंट श्री चौधरी साहब से करते हुए।

होली के पश्चात् बाजार में सुगबुगाहट शुरू

उदयपुर/ नवीन कोठारी

आलोच्य पखवाड़े में स्थानीय वस्त्र बाजार में ग्राहकी का अभाव था। होली पर्व के आस-पास के दिनों से ही बाजार में सुगबुगाहट शुरू हो गई, जो अभी भी जारी है। होली से पश्चात् शीतला सप्तमी, दशामाता तथा गणगौर जैसे फेस्टीवल आ रहे हैं, उसी के मद्देनजर शहर के वस्त्र प्रतिष्ठानों पर चहल-पहल शुरू हो गई। यह फे स्टीवल सभी महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है, अतः सलवार सूट एवं साड़ी प्रतिष्ठानों पर खास तौर पर ग्राहकी हो रही है। बाजार में महिला वस्त्र प्रतिष्ठानों पर लुभावने तरीकों से डिस्प्ले देखे जा सकते हैं। अधिकांश प्रतिष्ठानों पर डिस्प्ले के पेटर्न में समय के अनुसार काफी बदलाव आया है। पहले कपड़ों को अलग-अलग स्टाइल में टंगा कर डिस्प्ले किया जाता था, फिर एक आध डमी रख कर उसे पौषाक धारण करवाई जाने लगी और अब एक डमी का स्थान बहुत सी डमियों ने ले लिया।

अब डिस्प्ले को अधिक आकर्षित करने हेतु कई डमियों को अलग-अलग वैरायटियों के वस्त्र धारण करवाये जाने लगे हैं। वातावरण में गर्मी का अहसास होने से कॉटन वस्त्रों की अब मांग होने लगी है, इसलिये सभी प्रकार के वस्त्रों में कॉटन की डिमाण्ड बढ़ गयी।

बड़े शोरूम, शॉपिंग मॉल व ऑनलाइन व्यापार से व्यापारी परेशान

निजामाबाद/ जुगल किशोर झंवर

शहर में बहुत बड़े मॉल, जहाँ 200 से 500 आदमी काम करते हैं, ऐसे हजारों वर्गफिट में फैले चार पाँच मंजिला शोरूम हैं, वे रिटेलर व होलसेलर की पूरी बिक्री ले रहे हैं। पहले ऐसे शोरूम में ऊंची क्वालिटी का कपड़ा ही बिकता था और छोटे दुकानदार व फुटपाथ वाले कम स्तर के कपड़ों की ग्राहकी करते थे, लेकिन अब शोरूम वाले सस्ते से सस्ता कपड़ा भी बेच रहे हैं। साड़ियों में इतनी कम रेट की ऑफर है कि लोग गावों से भी माल में खरीदी करते हैं, इससे गावों की ग्राहकी भी खत्म हो गई है। शहर में करीब 100 से 125 दुकानें रेडीमेड की है, उन पर बहुत असर पड़ा है। हालत यह है कि गावों में न तो माल बिक रहा है और न पैसा आ रहा है। करोड़ों का कपड़ा अटका हुआ है और दुकान के खर्चे चालू हैं। आगे चल कर जिन व्यापारियों की खुद की पूंजी व खुद की दुकान होगी, वे ही टिकेंगे। अब तो उधार देने में भी डर लग रहा है।

कॉटन स्टॉक दो दशक के न्यूनतम स्तर पर रहने की संभावना

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

हालांकि देश में चालू कॉटन सीजन (अक्टूबर 2022-सितम्बर 2023) के दौरान देश में कॉटन की खपत में किसी खास बढ़ोतरी की संभावना नहीं है, लेकिन उत्पादन कम होने से सीजन के अंत में इसका स्टॉक गिर कर 20 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच जाने की आशंका है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया यानि सीएआई द्वारा हाल ही में जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 30 सितम्बर 2023 को देश में केवल 26.9 लाख गांठ का स्टॉक बचने का अनुमान है, जो गत वर्ष के बकाया स्टॉक की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत कम होगा। यही नहीं, पिछले 20 वर्षों के दौरान यह सबसे कम बकाया स्टॉक होगा। जानकार व्यापारियों का कहना है कि बकाया स्टॉक में गिरावट को देखते हुए आने वाले महीनों में कॉटन के भाव में किसी खास गिरावट की संभावना नजर नहीं आ रही है। उल्लेखनीय है कि देश में कॉटन की बुआई अधिक क्षेत्रफल पर हुई

थी लेकिन प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्रतिकूल मौसम के कारण कॉटन उत्पादन अनुमान लगातार कम होते जा रहे हैं। सीएआई का कहना है कि मार्च में लगाए गए अनुमानों के अनुसार अब देश में कॉटन का उत्पादन 313 लाख गांठ ही होने की संभावना है। यह इसके फरवरी के अनुमानों की तुलना में 8.50 लाख गांठ (प्रति गांठ 170 किला) कम है। बहरहाल, यह आंकड़ा गत वर्ष के उत्पादन 307 लाख गांठ की तुलना में अधिक है। सीएआई के प्रेजीडेंट श्री अतुल गनात्रा का कहना है कि तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु और पंजाब पूर्वानुमानों से कम होने की आशंका है। एसोसिएशन का कहना है कि 313 लाख गांठ के उत्पादन, 31.89 लाख गांठ के बकाया स्टॉक और 12 लाख गांठ के संभावित आयात को देखते हुए देश में कॉटन की कुल उपलब्धता 356.89 लाख गांठ होने का अनुमान है। दूसरी ओर, घरेलू खपत का अनुमान 300 लाख गांठ का है, जबकि निर्यात की संभावना 30 लाख गांठ का है। इस प्रकार सीजन के अंत में 26.89 लाख गांट का स्टॉक ही बचेगा।

50 प्रतिशत फसल आई

इसी बीच, अक्टूबर से फरवरी अंत तक देश की मंडियों में लगभग 154.84 लाख गांठ कॉटन की आवक हो चुकी है, जो कुल अनुमानित फसल का लगभग 50 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि में आवक लगभग 206 लाख गांठ थी।

होली के बाद भी धीमा है कारोबार

ईद के लिए हल्के आइटमों की मांग वैवाहिक सीजन की मांग का अभी इंतजार

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में होली के बाद भी कारोबार का अभाव बना रहा है और व्यापारियों को अभी वैवाहिक सीजन की मांग का इंतजार है, हालांकि ईद के लिए हल्के आईटमों की सीमित मांग बनी हुई है। मार्च का आधे से अधिक महिना बीत गया है लेकिन अभी तक ग्राहकी का अभाव बना हुआ है, हालांकि बाजार में चर्चा थी कि होली के बाद वैवाहिक सीजन की मांग आएगी। व्यापारियों को अब ऐसा नहीं लगता कि माह के बाकी दिनों में ग्राहकी आएगी क्योंकि वित्त वर्ष का अंत होने के कारण थोक और खुदरा व्यापारी खाताबंदी में व्यस्त हो जाएंगे। कपड़ा बाजार में फैब्रिक में भाव वृद्धि का सिलसिला काफी समय से रुका हुआ है, क्योंकि पहले भी भाव काफी बढ़ चुके हैं। वैसे भी मिलें या फैब्रिक निर्माता फैब्रिक में मामूली फेरबदल करके उसे नए नाम और नए भाव से बाजार में उतारते हैं।

अब कॉटन के भाव में लगभग स्थिरता आ चुकी है और कॉटन यार्न और सिंथेटिक यार्न के भाव भी रुके हुए हैं। आमतौर यार्न के भाव घटने पर फैब्रिक निर्माता कपड़े के भाव में कमी नहीं करते हैं। वित्त वर्ष का अंतिम माह होने के कारण बाजार में धन की तंगी बनी हुई है तथा आगामी दिनों में तंगी जारी रहने की ही संभावना है।

इसी बीच, बाजार में धन की तंगी और भुगतान में देरी के कारण मिलें तथा थोक व्यापारियों की दिलचस्पी नकद कारोबार करने में अधिक होती जा रही है। गत पखवाड़े के दौरान सिंथेटिक, शर्टिंग आदि में सीमित कारोबार बना रहा। वैवाहिक और सिंथेटिक साड़ियों में कुछ पूछ परख आ रही थी। लेडीज सूटों में कारोबार में सुधार हुआ है। सिंथेटिक सूटिंग में कारोबार लगभग सीमित रहा तथा केवल कुछ आईटमों में ही सीमित मांग नजर आई। आगामी सीजन के लिए व्यापारी तैयारी कर रहे हैं। बुकिंग आदि का काम लगभग पूरा हो चुका है। मिलों से चालानी हो रही है।

व्यापारियों के अनुसार अब थोक व्यापारियों के स्तर पर बुकिंग अधिक हो रही है, मिलें सीधी बुकिंग कम कर रही हैं। सियाराम, ग्राडो, मयूर, रेमण्ड आदि में छिटपुट मांग बनी हुई है। मिलों से इनकी चालानी भी हो रही है। बाजार में प्लेन सूटिंग की मांग बढ़ रही है। लाईट और सोबर कलर अब अधिक चलन में हैं। समर सीजन के कारण कॉटन और लिनेन की सूटिंग शर्टिंग की अच्छी मांग बनी हुई है। आगामी दिनों में खुदरा में इन आईटमों की अच्छी मांग रहने की संभावना है। लिनेन में अब चटख के सोबर रंगों की मांग आ रही है। आगामी दिनों में ईद और समर सीजन के कारण इनकी मांग में सुधार की संभावना है। डेनिम आदि की मांग भी आ रही है। शर्टिंग में समर सीजन के कारण मांग में सुधार हो रहा है। सिंथेटिक शर्टिंग में छोटे चैक की मांग अधिक है।

आगामी दिनों में शर्टिंग की अच्छी मांग आने का अनुमान है। ईद के अवसर पर कुर्ता-पायजामा के शर्टिंग क्लॉथ की मांग अधिक बनी हुई है। वैवाहिक सीजन के लिए जोड़ा पैकिंग और सफारी की मांग अधिक रहने की संभावना है।

कुछ मिलों ने लाईट कलर्स में सफारी की नई रेंज भी बाजार में दी है। हालांकि इस समय वैवाहिक और सिंथेटिक साड़ियों की मांग कमजोर बनी हुई है लेकिन व्यापारियों मानना है कि जल्दी ही इन आईटमों की थोक और खुदरा में अच्छी मांग आने की संभावना है।

व्यापारियों का कहना है कि सिंथेटिक साड़ियों में लाईट कलर और सोबर प्रिन्ट की मांग अधिक रहने की संभावना है। जानकारों का कहना है कि विवाह आदि में अब वैस्टर्न वीयर, गाऊन आदि की सोबर रंगों और सिम्पल डिजाईन की मांग मांग अधिक आ रही है।

आगामी दिनों में लेडिज सूटों की मांग भी अच्छी रहने का अनुमान है तथा व्यापारी उसे देखते हुए ही तैयारी कर रहे हैं। समर सीजन के कारण आगामी दिनों में काटन सूटों के अतिरिक्त सिंथेटिक में लाईट और सोबर कलर की मांग अधिक रहने का अनुमान है।

कॉटन में मांग में सुधार

समर सीजन के कारण कॉटन आईटमों की मांग में सुधार हो रहा है तथा आगामी दिनों में भी मांग रहने का अनुमान है। टू बाई टू रुबिया के अतिरिक्त पोपलीन, डोरिया, कैम्ब्रिक आदि की मांग भी है। ईद का त्यौहार होने के कारण कुर्ता-पायजामा के लिए कॉटन आदि की अधिक बिक रही है और आगामी दिनों में मांग में और सुधार हो सकता है। अरविंद, मफतलाल, इरोड़, बीआई, उम्मेद मिल, पाली, बालोतरा आदि की मांग अच्छी बनी हुई है। कॉटन आईटमों में काफी समय से भाव वृद्धि का सिलसिला रुका हुआ है। कॉटन के भाव अब नीचे आ रहे हैं। कॉटन यार्न भी मंदा हो रहा है। अब जल्द ही कॉटन आईटमों के भाव में तेजी का अनुमान नहीं है, क्योंकि मंडियों में कॉटन की आवक में सुधार हो रहा है और कम हो रहे हैं।

वैश्विक एवं स्थानीय बाजार में रुई की खपत कम होने से भाव एकतरफा घटे

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

रुई में एक तरफा घटते भाव से किसानों में भारी रोष है। महाराष्ट्र और गुजरात के किसानों को उनकी उपज का उचित भाव नहीं मिलने की शिकायत है। पिछले वर्ष में कपास एवं रुई के मिलें सर्वाधिक ऊंचे भाव के कारण अब किसानों को मौजूदा भाव बौना लग रहा है। कपास पर किसानों की पकड़ मजबूत होने के कारण जिनिंग एवं प्रेसिंग काम भी सही ढंग से नहीं हो रहे हैं। किसानों के पास अभी कपास का भरपूर स्टॉक होने का संकेत है। वैश्विक एवं स्थानीय बाजार में रुई की खपत कम होने से भाव एकतरफा घटे हैं लेकिन किसानों को अप्रैल एवं मई महिने में तेजी की उम्मीद है, इसलिए किसान अपने माल की बिकवाली धीमी है, जबकि किसी बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। अमेरिकी कृषि विभाग ने मार्च महिने की रिपोर्ट में कहा है कि भारत में वर्ष 22-23 में रुई का क्लोजिंग स्टॉक अनुमान जो पिछले महिने में 23.51 लाख टन था, उसके अब 21.98 लाख टन रहने का अनुमान है। रुई का स्टॉक 2021-22 में 18.72 लाख टन और वर्ष 2020-21 में 25.99 लाख टन था। भारत से रुई का निर्यात वर्ष 2022-23 में 4.79 लाख टन होने की संभावना है, वहीं रुई का आयात 3.70 लाख टन रहने का अनुमान है। मार्केटिंग वर्ष 2022-23 में रुई का वैश्विक उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। वैश्विक उत्पादन में यह वृद्धि चीन, आस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान में रुई के अधिक उत्पादन होने के कारण होगी, जो भारत में उत्पादन में आ रही कमी की भरपाई कर सकता है। इस आधार पर देश में पिछले महिने में रुई पैदावार का अनुमान 326 लाख गांठ था, जिसके घटकर अब 313 लाख गांठ होने की संभावना व्यक्त की गई है लेकिन बाजार सूत्रों का कहना है कि उत्पादन में गिरावट के अनुमान के बीच बाजार में रुई की आपूर्ति घटने की संभावना नहीं है। इसका प्रमुख कारण निर्यात में कोई अच्छा कारोबार नहीं हो रहा है। इस वर्ष रुई के निर्यात में भारी गिरावट का अंदेशा है। अक्टूबर से यह सीजन शुरू हुई है और पांच महिने बीत चुके हैं। इस दौरान निर्यात आंकड़ों को देखें तो बहुत चैंकाने वाले हैं। अभी तक पांच से छह लाख गांठ का ही निर्यात किया गया है। रुई की यह सीजन मंदी में ही पूरी होने की प्रबल संभावना दिखाई देने लगी है।

देश से रुई का उत्पादन, इसकी खपत और निर्यात घटने का अनुमान है। वित्तवर्ष 22 और वित्तवर्ष 23 की पहली तिमाही में कॉटन की कीमतों में माह दर माह काफी तेजी दिखाई दी। यह तेजी मई 22 तक जारी रही। उसके बाद रुई की कीमतें घटी, लेकिन कॉटन टेक्सटाइल के निर्यात को यह वृद्धि डेंट कर गई। यद्यपि रुई की कीमतें सर्वाधिक ऊंचे भाव प्रति खंडी 1.10 लाख रू से घटकर अक्टूबर 22 में 65 हजार रू प्रति खंडी के करीब हो गया था और उसी के करीब है, तथापि अभी भाव कोविड पूर्व के स्तर से अधिक रहा है। कॉटन की कीमतों में वृद्धि का प्रमुख कारण देश में उत्पादकता कम होने के साथ बेमौसमी बारिश के कारण रुई की पैदावार को नुकसान होना रहा है।

अप्रैल के प्रारम्भ से उत्पादन में आएगी रफ्तार

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

रंगों की इस औद्योगिक नगरी में होली के रंगों के गुब्बारे तो थम गये हैं, मगर औद्योगिक क्षैत्र में श्रमिकों के काम पर न लौटने से तथा सी ई टी पी द्वारा घोषित अवकाश के कारण उत्पादन प्रक्रिया का रंग विरानी के आगोश में ही समाया हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों से लगता है कि कार्य प्रक्रिया को नियमित गति मार्च माह के अन्तिम सप्ताह के पूर्व नहीं मिल सकेगी। फिलहाल तो धुलाई, छपाई, रंगाई, फि निशिंग, फोल्डिंग आदि सभी कार्य प्रक्रियाएं कुण्ठित हैं। निश्चित रूप से उद्यमी अपना समय वार्षिक खातों की लेखा-बन्दी व स्टॉक आदि लेने के साथ रकम की कमी का एहसास वित्त वर्ष समाप्ति के दौर में कोई नया नहीं है, परन्तु इस वर्ष पैसा जहाँ अटका रहा, अभी तक करवट नहीं ली है।

सूत्र बताते हैं कि इस बार मौसम में गर्मी की अधिकता विद्यमान रहने के अनुमान से सूती वस्त्रों का क्रेज और अधिक बढ़ेगा। अभी ग्रे क्लोथ के भाव स्थिर अवस्था में है और आगे मांग में बढ़ोतरी की विपुल सम्भावनाओं को देखते हुए बाजार बढ़े बिना नहीं रहेंगे। पिछले कुछ समय से पोपलीन की माँग बरकरार है, परन्तु माल की अनुपलब्धता के कारण चालानी की दमदारी में कमी रही। फैशन में साड़ी का प्रचलन बढ़ने से पेटीकोट व साड़ी फाल की डिमाण्ड में बढ़ोतरी बराबर होती रहेगी। नाईटी सीजन में पुनः अपने रुतबे को अख्यितयार करने को आतुर है। इससे लगता है जो मशीनें आईडल रही, वे पुनः गति के साथ उत्पादन करने लगेगी।

इस अवकाश के पूर्व श्रमिकों के अपने गृह-ग्रामों में कूच करने से माल को ले जाने, लाने, गाँठे बांधने, पैकिंग व फोल्डिंग के कई अति आवश्यक कार्य पूर्ण नहीं कर सके। कातिपय उद्यमियों ने बताया कि कई आवश्यक कार्य मिन्नतों के साथ करवाये। मजदूरों में लौटने के साथ पुनः स्थिति सामान्य हो जायेगी। इस क्षैत्र में काम करने वालों के लिये बेरोजगारी की समस्या नहीं है। बेरोजगार वे ही हो सकते हैं, जो काम के प्रति आस्था नहीं रखते अथवा मात्र सरकारी नौकरी ही चाहते हैं।

होली के बाद इस क्षैत्र में कई आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न होते हैं, जिसमें उद्यमी, श्रमिक व आम लोग पूरे उत्साह व उमंग के साथ भाव विभोर हो जाते हैं। गैर नृत्य यहाँ का प्रसिद्ध हैं। विभिन्न मुद्राओं के साथ ढ़ोल की थप-थप और थाली के वाद्य यंत्रों से लोक लुभावनी- शैली मे गैर के खिलाड़ी मंत्र मुग्ध करते हैं। दर्शकों व गैर नृत्यकारों की तल्लीनता अपने आप में बेजोड़ लगती है। स्मरण रहे कि क्षैत्र के अनेक गैर-नृत्य दल विदेशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर वाह-वाही लूट कर आ चुके हैं। कुछ भी हो अप्रेल के प्रारम्भ से वस्त्र रंगाई, छपाई उद्योग पुनः अपना परचम फै लायेगा और कॉटन क्लोथ व सिंथेटिक उत्पादों की छवि नये रूप में उभरे बिना नहीं रहेगी।

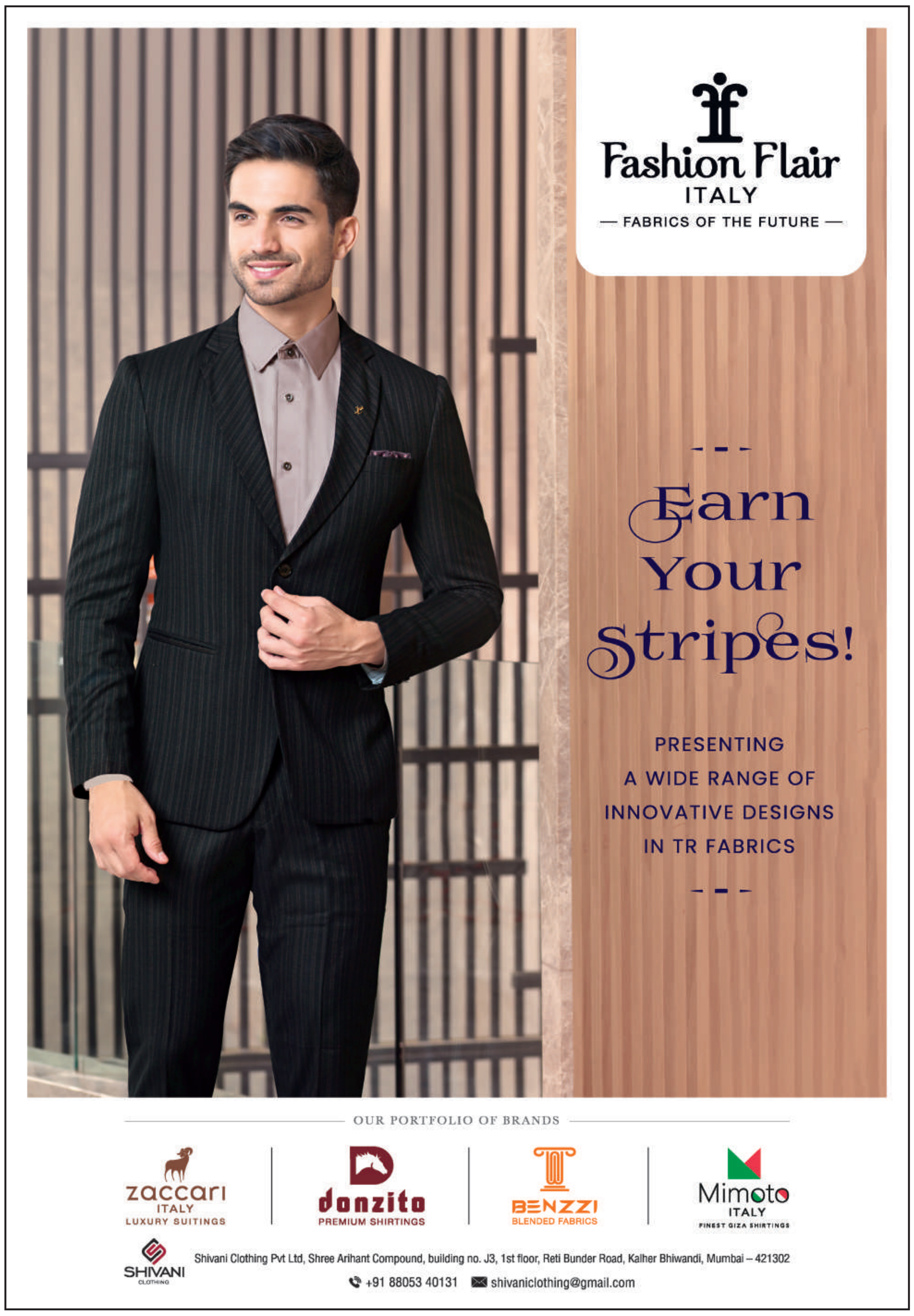

सम्पादकीय....

आयात पर सरकारी चौकसी से व्यापारिक घाटे को कम करने के प्रयास

आज के दौर में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता, उसे दूसरे देशों से कुछ न कुछ चीजें आयात करनी ही पड़ती हैं। खासकर विकासशील देशों को कुछ अधिक ही आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत है कि देश का व्यापार घाटा काफी कम हो गया है। व्यापार घाटा उस अंतर को कहते हैं जो आयात और निर्यात के बीच होता है। जब कोई देश आयात अधिक और निर्यात कम करता है, तो उसका व्यापार घाटा अधिक होता है। अच्छी अर्थव्यवस्था के लिए आयात और निर्यात में संतुलन जरूरी माना जाता है। पिछले कुछ समय में व्यापार घाटा काफी बढ़ गया था इस दृष्टि से पिछले कुछ वर्षों में भारत का व्यापार घाटा काफी बढ़ गया था। इसलिए इसे पाटने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा था। अब व्यापार घाटा घट कर 17.43 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ महिनों में इस व्यापार घाटे में कमी या बढ़ोतरी आयात संबंधी जरूरतों पर निर्भर करेगी। दरअसल, फिलहाल व्यापार घाटे में आई कमी की बड़ी वजह आयात में की गई कमी है।

हालांकि अच्छी स्थिति यह मानी जाती है कि देश का निर्यात बढ़ाया जाए। मगर आयात के साथ-साथ निर्यात में भी कमी आई है। बल्कि निर्यात में कमी की दर आयात से अधिक है। आयात में 8.2 फीसद की कमी आई है, तो निर्यात में 8.8 फीसद की। इस लिहाज से इसे बहुत सुखद स्थिति नहीं माना जा सकता। दरअसल, सरकार ने व्यापार घाटा पाटने के लिए रणनीति बनाई कि अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाया जाए। जिन वस्तुओं का अपने देश में पर्याप्त उत्पादन होता है, उन्हें बाहर से मंगाने पर रोक लगाई जाए। यही आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष भी है। इस लिहाज से आयात किए जाने वाले तीस प्रमुख उत्पादों में से सोलह के आयात में कमी आई है। उनमें सोना, उर्वरक, कच्चा तेल, वनस्पति तेल, रसायन, मोती, मशीनरी तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुओं के आयात में कमी आई है। मगर कोयला, प्लास्टिक की वस्तुओं, लोहा, इस्पात तथा परिवहन उपकरणों का आयात बढ़ा है, मगर इनमें से कितनी वस्तुओं के मामले में लंबे समय तक आत्मनिर्भर रहा जा सकता है, देखने की बात है। निर्यात घटने के पीछे कारण बताया जा रहा है कि चूंकि दुनिया भर में वस्तुओं की मांग घटी है, इसलिए स्वाभाविक रूप से निर्यात भी घटा है। मगर हमारे यहां निर्यात के संतोषजनक स्तर पर न पहुंच पाने को लेकर चिंता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लड़खड़ाने से पहले से की जा रही है। फिर जिन स्थितियों का हवाला दिया जा रहा है, उनके जल्दी सुधरने की कोई सूरत भी नजर नहीं आती। इसलिए व्यापार घाटे के रुख में कितना स्थायित्व रह पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। आज के दौर में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता, उसे दूसरे देशों से कुछ न कुछ चीजें आयात करनी ही पड़ती हैं। खासकर विकासशील देशों को कुछ अधिक ही आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में रसायनों, कच्चे तेल, वनस्पति तेल, इलेक्ट्रानिक उपकरणों आदि के मामले में भारत लंबे समय तक आयात पर अंकुश नहीं लगा सकता। दवा निर्माण और इलेक्ट्रानिक उपकरणों आदि के मामले में वह दूसरे देशों पर निर्भर है। इसके बरअक्स वह जिन वस्तुओं का उत्पादन अधिक और गुणवत्तापूर्ण करता है, उनका बाजार उसे तलाशना होगा। कोयला, लोहा और इस्पात के मामले में वह उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे सकता है, मगर इनका आयात बढ़ रहा है। निर्यात बढ़ाने के लिए दुनिया में जिस तरह नए बाजार तलाशने और अपनी जगह बढ़ाने के लिए रणनीति बनाने की जरूरत होती है, वह शायद नहीं हो पा रहा, जिसकी वजह से निर्यात नहीं बढ़ पा रहा। अगर निर्यात बढ़ेगा, तभी व्यापार घाटे में स्थायी कमी का वातावरण बन सकेगा।

कुछ नया, कुछ अलग •

जीवन से भरा जीवन....

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

अबतक मैंने आपसे जीवन व्यवहार, शुद्ध नीति, समय का महत्व जैसे विविध विषय पर बात की है। मगर आज मैं इन सब बातों से एक अलग विषय पर आपसे संवाद करना चाहता हूँ।

जीवन से भरा जीवन...

परमेश्वर ने हमें एक पूरा जीवन उपहार में दिया है। एक जीवन के कितने वर्ष, कितने महीने, कितने दिन, कितनी क्षण हमारे पास हैं, हम सब इससे अज्ञात हैं मगर जितने भी क्षण हमारे हिस्से में हैं उसको कैसे व्यतीत करना है, वो हमें ज्ञात होना चाहिए। किसी की मृत्यु हमें प्रतिदिन अनिश्चित जीवन की प्रतीति कराता है। जीवन को प्यार से भर देना ही खरा जीवन है और अपने आसपास के सभी जीवों के प्रति स्नेह सद्भाव रखना ही जीवन का मुख्य उद्देश्य है। विश्व के अणु अणु को प्रेम करें क्योंकि प्रेम अपने आपको सीमित नहीं रखता है, वो तो हमें पानी की तरह तरल रखता है। हम बहते जाते हैं, जीवन जल परिशुद्धता में परिवर्तित होता है और यह प्रक्रिया जीवन को और ज्यादा निखारती है।

कुदरत ने हमें बहुत अच्छी तरह से संभाला है, कितना कुछ दिया है तो हमें अपने परिवार के साथ जीवन को खुले मन से सेलिब्रेट करना चाहिए। हमारे अपने स्वजनों के साथ प्यार भरे रिश्तों के सिवाय हमारी कोई संपत्ति शाश्वत नहीं है। हमारे परिवार में कोई भी अच्छा दिन आये किसी की वर्षगांठ हो, शादी हो या फिर खुशी का कोई भी मौका हो, उसमें सिर्फ फॉर्मेलिटी के लिए शामिल होने के बजाय उस प्रसंग को एन्जॉय करो। अच्छा काम करो। अपनों से गले मिलो, सबके साथ खुशियाँ मनाओ और इन छोटी छोटी खुशियों से ही पूरा जीवन आनंद से भर जाता है। हमारे पास व्यापार, नौकरी के सिवाय इन सब व्यावहारिक बातों के लिए समय नहीं होता है, मगर यह सोच गलत है। जीवन व्यवहार ही हमें खुलकर जीना सिखाता है। अपने लोगों के बीच हम हमारी परेशानियां, गम भूल जाते हैं और दोस्तों, अपनों के साथ अच्छा बुरा वक्त भी जल्दी से निकल जाता है। हमारी इन्ही बातों का अनुसरण हमारे बच्चे या अगली पीढ़ी भी करेगी और सेलिब्रेशन ऑफ द लाइफ को नजदीक से देख पाएगी।

जीवन सच्चे अर्थ में जीवन तब बनता है जब हमारे पास संवेदना का वैभव हो। हम सुख की खोज में निकले हुए ऐसे यात्री हैं, जो जीवन की गलियों में सुख की कामना रखते हैं। जब जीवन जब संवेदना से भर जाता है, तब वह स्वयं सुख में परिवर्तित हो जाता है।

जीवन पथ पर निकले हम,
जीवन की ज्योत जगाने को
जीवन हो जीवन से भरपूर,
ऐसी बात सुनाने को...

जिंदगी हमारे साथ अपने खट्टे मीठे कई अनुभवों को साझा करती है। हम एक परेशानी से जीवन को संघर्षमयी मान लेते हैं और जीवन एक प्रक्रिया है, इतना समझने के लिए पूरा जीवन ही निकाल देते हैं। समय अपनी गति के साथ आगे बढ़ता है और हम पीछे मुड़कर अपना मेघधनु नहीं देख पाते हैं। जब तक हमें यह रंगों की प्रतीति होगी तब तक तो हमारे पास बहुत चंद समय बचेगा, फिर थक हार कर अफसोस करने के अलावा हम कुछ नहीं कर सकेंगे।

इसलिए एक एक पल को जीवन से भरपूर बनाओ, गले मे गीत आये तो खुलकर गाओ, बस एक एक पल को जिंदगी से भरपूर करके जियो और जीवन आसमान को अपने स्वयं के अस्तित्व से भर दो। जिये जाओ... जिये जाओ। मैं अक्सर गुनगुनाया करता हूँ-

जीवन से भरी तेरी आंखें मजबूर करे जीने के लिए...

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

उद्योगपति श्री गोविंद प्रसाद सोडाणी बने भारत विकास परिषद, राजस्थान मध्य प्रांत के अध्यक्ष

श्री गोविंद प्रसाद सोडाणी

भीलवाड़ा/ सत्कार ग्रुप के डायरेक्टर, उद्योगपति, समाजसेवी व अध्यात्म में गहरी रूचि रखने वाले, पर्यावरण प्रेमी श्री गोविंद प्रसाद सोडाणी हालही भारत विकास परिषद, राजस्थान मध्य प्रांत के अध्यक्ष पद पर चुने गए। श्री सोडाणी विगत 32 सालों से भारत विकास परिषद से जुड़े हुए हैं। टेक्सटाइल व्यवसाय में अग्रणी भूमिका के साथ श्री सोडाणी निःस्वार्थ सेवा भावनाओं के जुनून से सराबोर व्यक्ति हैं। अपनी सेवा भावना को साकार करने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं गैर सामाजिक संगठनों से अपना संबंध कायम किया तथा अपने व्यक्तित्व को निखार कर उसमें प्रस्फुटित रोशनी से असंख्य व्यक्तियों को नई रोशनी व प्रेरणा दी, जो सदैव अनुकरणीय है। भारतीय संस्कारों के प्रति अटूट आस्था और विश्वास ने आपको विभिन्न मुकाम पर पहुचाया है, जिस पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं।

श्री सोडाणी ने कहा कि मानव मात्र में सेवा भावना एवं संस्कारों का विकास हो, जिसके लिए मैं सदैव प्रयासरत रहा हूं, भारत विकास परिषद सालों से देश में संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण मूल्यों को साकार करता आ रहा है। व्यक्तिगत तौर पर मुझे मिली जिम्मेदारी को मैं बखूबी निभाऊंगा तथा समाज सेवा एवं युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की दिशा में कार्य करता रहूंगा।

देश में टेक्निकल टेक्सटाइल....

पृष्ठ 1 का शेषांश

भारत सरकार के 1,480 करोड़ रुपए के नैशनल टेक्सटाइल मिशन की बात करते हुए उन्होंने उद्योग और स्टेक होल्डर्स से कहा कि वैश्विक बाजार पर कब्जा करने के लिए नए शोध, फैब्रिक, कम्पोजिट और अंतिम उत्पादों के लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने सभी 8 टेक्निकल रिसर्च एसोसिएशनों और अन्य सरकारी संगठनों से कहा कि उन्हें निजी क्षेत्र के नवाचारों को समर्थन देना चाहिए। इस अवसर पर कपड़ा सचिव सुश्री रचना शाह ने कहा कि यह अच्छी बात है कि टेक्नो टेक्स'23 को बहुत अच्छा रिसपोंस मिला है। इसमें 30 देशों के 150 उद्यमियों ने प्रदर्शनी लगाई और 250 से अधिक खरीदारों ने भाग लिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत को टेक्निकल टेक्सटाइल के हब बनाने के उनके विजन को सफलता मिलेगी। सुश्री शाह के अनुसार सरकार नैशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन तथा स्टैंडर्ड और इ• ीलिटी पर कार्य कर रही है। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसैन्टिव स्कीम में उद्यमियों की दिलचस्पी अच्छी दिलचस्पी दिखाई है और इससे टेक्निकल टेक्सटाइल सेक्टर में लगभग 10,000 करोड़ रुपए आने की संभावना है।

Yarn Rate+GST

यार्न रेट्स 20 मार्च, 2023

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	245
2/18 Dyed	205
2/40 Dyed	295
2/30 Frosted	243
2/30 Dyed Slub	245
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	245

R.T.M

PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	285
2/30 Frosted	240

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	200

SRM Spinners

Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	177
2/18 PV Navy 85:15	192
2/18 PV Black 70:30	182
2/18 R Navy 70:30	205
1/15 Poly Black	132
20 PV Black	171
15 PV Black	170
2/18 S Navy 85:15	200

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	245
2/40 Dyed	280
2/50 Dyed	340

RISHIKE & SIVANTA

30/2 PV	178	30/1 Poly	138
30/2 Poly	157	15/1 PV	146
30/1 PV	157	15/1 Poly	123

Note less CD 1%+ GST

JAGDAMA SPINNING NEPAL

PV YARN		2/15	155
2/30	178	1/20	150
2/24	172	1/15	145
2/20	164	1/10	142

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	181
2/30 65/35 Black	245
2/30 65/35 Gray	205
2/40 65/35 Black	285
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	255

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR	
2/30 P/V	155
2/40 P/V	----
1/20 P/V	150
1/15 P/V	160
Janvi	
1/15 Psy	124
RSWM	
2/40 PV	208
2/30 Psy	185

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	215
2/60 PVT	305
2/60 Polyster	225
2/80 PC Combed	580
2/76 Polyster	290
2/60 P.V.	305

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	193+GST
150 HIM Cone Dyed	182+GST
300 HIM Cone Dyed	181+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	168+GST
2/30 PV	183+GST
15S PV	153+GST
2/24 PV	178+GST
2/30 Polyester TFO	153+GST
2/20 Polyester TFO	143+GST

LOCAL TFO

Note less CD 1 + GST

2/30 PV 172 2/30 POLY 153

टेक्सटाइल वर्ल्ड
समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।
PHONE 01482-237165, MOBILE 9468835188
417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001, (RAJ.)
E-mail: textileworldtw@gmail.com

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL

CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	540
20 Patiyala ND	575
20 Patiyala Silver	191
20s Puja viscous	583
16s cottspin	532
20s Shri Mahadav	199
23 JS Viscous	575
20 VISCOUS	-----
16 Tile	532
20 OM Thread	563
20 JS	557
23 JS	620
10 ARI	97+GST

GST Paid

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE	
150 Roto Grey	106-128
150 Roto Black	109-142
150 Roto Bright	114-133
150/250 Grey	116-148
150/250 Dyed	139-162
150 Fdy	117
P.V. Yarn	
2/20 Grey CL	135
2/40 POLY	188
2/15 Poly Grey	125
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	122
Cotton Yarn	
4 CONE	52-89
6 CONE	75-132
10 CONE	88-169
2/4 CONE	81-135
2/6 CONE	88-150
2/8 CONE	86-151
2/10 CONE	100-211
2/20 CONE	195-248
2/30 CONE	281-359
2/40 CONE	269-338
STAPLE YARN	
10 CONE	196
15 CONE	198
20 CONE	207
2/15 CONE	211
2/40 CONE	265

100%. POLY ULTIMA

2/30	158	1/30	138
2/24	152	1/20	128
2/20	144	1/15	122
2/15	136	10.	118

Note less CD 1 + GST

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

		100% Poly	
2/40 PV.	198	2/40 poly	178
2/30 PV	172	2/30 Poly	152
2/30 PV	167	15 Poly	123
2/24 PV	160	15 Poly, J.nepal-	121
2/18 PV	158		
2/15 PV	142		

Mill TFO

2/30 Pv	178
2/24 Pv	170
2/30 Pol	158

Note less CD 1 + GST

BLACK YARN

2/40 PV.	215	15 Pol bl.	121
2/30 PV	185	2/18 pol bl.	135
2/18 PV	165	2/30 pol bl.	158
15 PV bl.	140		
2/30 black millange	215		
15 pv black Millange	190		

Bhavit Jain- 9928913144, 9414113144

Raghav Group

M. 94141-11402

Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.	
1/10 OE	208
1/14 OE	215
1/16 OE	220
1/20 OE	240
30 KW	290
30 CW	310
2/40 CW ELLY	310
30 CW COMPACT	---
40 CW COMPACT	370
60 CW COMPACT	---
50 CW COMPACT	415
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	142+GST
1/20 Polyester 100%	132+GST
1/15 Polyester 100%	127+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	235+GST
2/18 P/V Black	192+GST
2/30 P/V Black	260+GST
LNJ DENIM	
6 OE	203
7 OE	205
8 OE	---
9 OE	---
10 OE	210
10 Lycra	285
16 Lycra	---
10 Slub Lycra	315
16 Slub Lycra	-----
SRM SPINNERS LIMITED	
2/30 P/V Black	230+GST
2/18 P/V Black	210+GST

ALOK INDUSTRY

30 POLY.	138	15 poly.	120
20 POLY.	129		

Note less CD 1%+ GST

GTM SPINNING

2/40 PV MICRO 202

Note less CD 1% + GST

100% poly

2/30 poly	153	2/15 poly.	132
2/20 poly.	142		

Note less CD 1 + GST

PC Yarn

2/60 pc 65/35	300
2/40 pc 70/30	225
2/30 pc 65/35	196
1/14 pc OE 50/50	125
1/14 pc virgin 65/35	135

Note less CD 1 + GST
2/30 pc Mill tfo 202
less 1% cd

Dyed Yarn

2/40 PV BLACK	225
2/30 PV BLACK	192
2/18 poly black.	138
2/18 black worsted	140
2/18 blue.	175
2/30 black millange	224
15 pv black millange	.195
15 poly black.	128

Note less CD 1 + GST

Magic yarn

2/49 poly magic.	175
2/45 poly magic.	172
2/49 pv magic.	208

Note less CD 1 + GST

सदस्यता फॉर्म

टेक्सटाइल वर्ल्ड
SINCE 1998
वस्त्र उद्योग जगत का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
☐ 1 वर्ष	---------	24	रू. 500
☐ 2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू. 1000
☐ 5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू. 2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....

कम्पनी/फर्म का नाम : ....

पता : ....

..........पिन कोड नं. ....

मोबाइल नं. ....फोन नं. ....

कैटेगरी: ☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक ☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर ☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य ....

डीलिंग: ☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट ☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल ☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य ....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

SINCE 1963
GINI FABRICS
'STITCHED DIFFERENTLY'
Summer
COLLECTION
CHOOSE FROM OUR EXCLUSIVE SHIRTING, SUITING & GIFTING FABRICS
Cotton | Hemp | Bamboo | Linen | Lyocell | Gini Whites | Khushboo | Aqua | Glacier | Ever Fresh
+ 912240750601
sales@ginitex.com (Domestic)
umesh@ginitex.com (International)
GINI TEX PRIVATE LIMITED:
413, Tantia Jogani ind Premises,
Sitaram Mill Compound, Near Lodha Group,
N.M Joshi Marg, Lower parel (E),Mumbai 400011.
/ginifabricsofficial/
/ginifabricsofficial
/company/ginifabrics/
linkedin
facebook
instagram
FOR TRADE ENQUIRIES
Sudhir Agencies (India) 6th Ganesh Wadi, 4th Floor, Mumbai - 400 002. Sudhir Bachhawat - 9819343909,
Jitender Bachhawat - 9930031999, Rajendra Malpani - 9819977707, Neeraj Vaid - 9322245369.

Sangam®
SUITINGS
YOU ARE WHAT YOU WEAR
Sangam
Value through values
SANGAM (INDIA) LTD. Atun,
Chittorgarh Road, BHILWARA - 311001 (Raj.) India
E-mail : coordinationsales@sangamgroup.com, Visit us at www.sangamgroup.com, Phone: +91-1482-245500

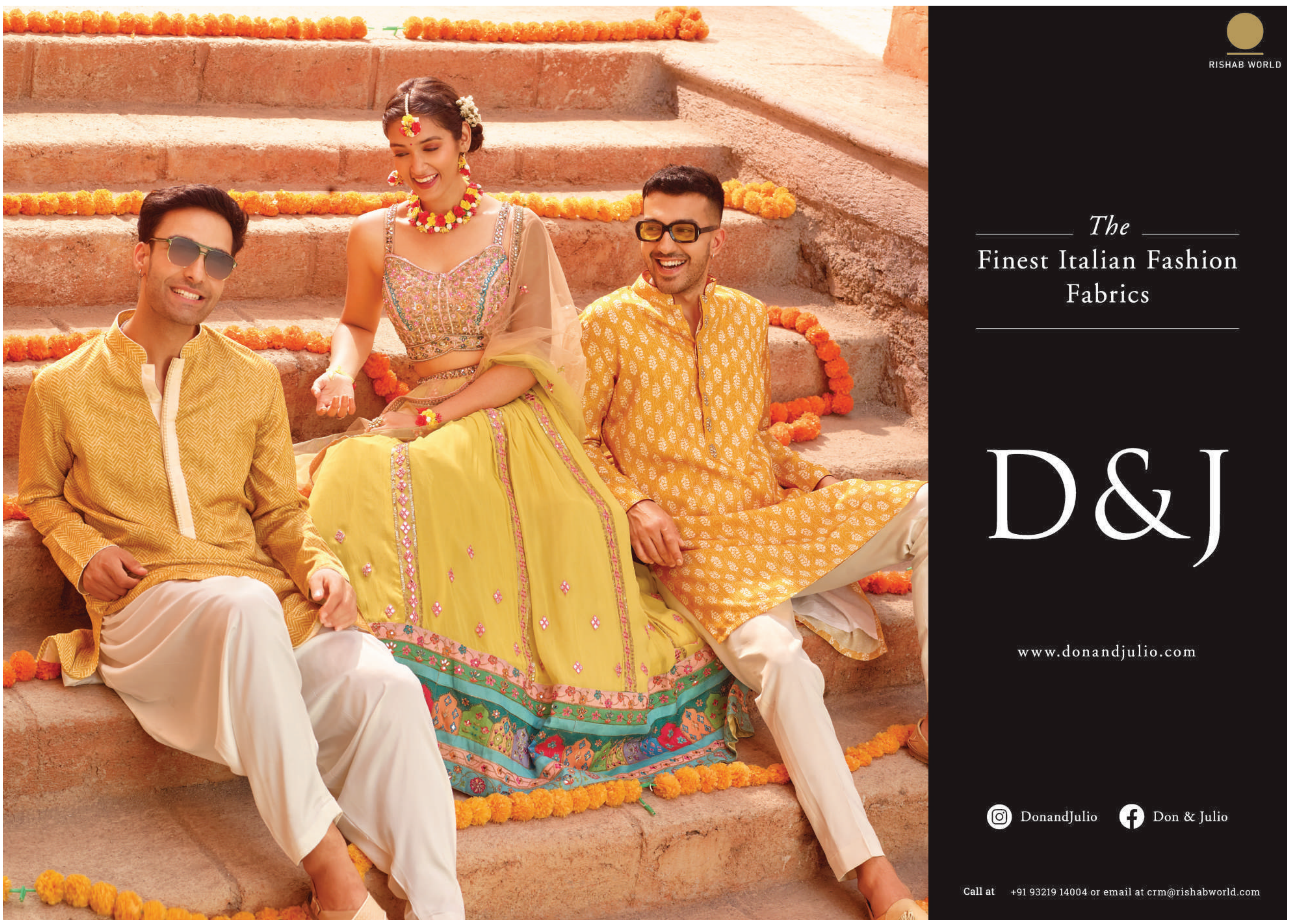
RISHAB WORLD
The
Finest Italian Fashion
Fabrics
D&J
www.donandjulio.com
DonandJulio
Don & Julio
Call at +91 93219 14004 or email at crm@rishabworld.com

स्प्रिंग समर कलेक्शन 2023 की व्यापारियों ने कराई जबरदस्त बुकिंग

जे. हैम्पस्टेड द्वारा होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में मची धूम

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

मुम्बई/ मेन्स वीयर फैब्रिक के प्रतिष्ठित ब्राण्ड **जे. हैम्पस्टेड** ने अपनी आक्रामक रणनीति के चलते अपने व्यापार में निरन्तर वृद्धि करते हुए आगे बढ़ता जा रहा है।

दीपावली की अच्छी डिस्पेच के बाद कम्पनी ने अपनी टीम के साथ मिलकर आक्रामक रणनीति अपनाई एवं व्यापारियों को प्रोत्साहित करते हुए 6 मार्च 2023 को मुम्बई के पाँच सितारा होटल सहारा स्टार में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम की नई शुरूआत की। इस कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक व्यापारियों ने भाग लेकर इसे सफलता के शिखर पर ले गये।

इस होली स्नेह मिलन कार्यक्रम की शुरूआत **जे.हैम्पस्टेड** के युवा एवं इनोवेटिव डायरेक्टर श्री अवनीश पौद्दार, बिजनेस हेड (वाइस प्रेसीडेण्ट मार्केटिंग) श्री विजय जैन, रीजनल सेल्स मैनेजर श्री नवल गुप्ता सहित मुम्बई की सेल्स टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग करते हुए व्यापारियों के अभिवादन के साथ होली स्नेह मिलन की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान श्री पौद्दार ने सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए व्यापारियों में नई ऊर्जा एवं नयी सोच का संचार किया। उन्होंने कहा कि होली स्नेह मिलन कार्यक्रम की शुरूआत इस वर्ष से की गयी। आप सभी ने यहां उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया है।

व्यापारियों संग खेली होली

रंगों के इस त्यौहार पर जे.हैम्पस्टेड ने अपने सभी चाहने वालों को होली के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी व्यापारियों को रंग लगाकर उनका स्वागत किया। यह कार्यक्रम सम्पूर्ण रूप से होली पर केन्द्रित था। रंग लगाकर व्यापारियों ने कम्पनी की सम्पूर्ण रेंज की सराहना करते हुए बढ़चढ़ कर बुकिंग भी कराई।

जे.हैम्पस्टेड के बिजनेस हेड (वाईस प्रेसीडेण्ट मार्केटिंग) श्री जैन ने बताया कि कम्पनी हमेशा अपने व्यापारियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती रहती है। होली के पावन पर्व पर आप सभी **जे. हैम्पस्टेड** की टीम के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़े हो इसके लिए आप सभी का शुक्रिया।

जे.हैम्पस्टेड के रीजनल सेल्स मैनेजर श्री नवल गुप्ता ने बताया कि कम्पनी द्वारा इस सीजन के लिए स्प्रिंग समर कलेक्शन 2023 लॉञ्च कर इसमें विशेष रेंज तैयार की है, जिसे देखकर व्यापारियों ने इस कलेक्शन की भूरी-भूरी प्रसन्सा की।

इस दौरान कम्पनी द्वारा **जे.हैम्पस्टेड** के सभी लेटेस्ट कलेक्शन जैसे एक्सक्लुसिव ब्लैक रेंज, पीवी, पीसी, पीवी डब्ल्यू, रिचवूल में एक्स्ट्रा ब्लैक कलर की विशाल रेंज, सेरेमोरियल कलेक्शन, वूल इन्फ्यूजन की रेंज, एक्जोइजिट पोली वूल रेंज में सुपर 130s, 140s, 150s, 170s की रेंज ने व्यापारियों को आकर्षित किया एवं व्यापारियों ने इस सभी रेंज की जमकर सराहना भी की।

मुजफ्फरपुर के रिटेलर्स बोले - 'एथनेयर' द ट्रेडिशन ऑफ इण्डिया

सियाराम्स ने फैशन शो में प्रदर्शित किया परम्परागत परिधानों का कलेक्शन

मुजफ्फरपुर/ देश के सबसे बड़े फैशन हाउस सियाराम्स ने मुजफ्फरपुर में अपने नए ट्रेडिशनल ब्राण्ड एथनेयर की वृहत् रेंज को एक भव्य प्रदर्शनी के द्वारा रिटेलर्स के बीच लॉन्च किया। शादियों, त्यौहारों एवं अन्य समारोहों पर कंपनी ने नवीनतम फैशन के अनुरुप परिधानों की अत्यधिक मांग को देखते हुए इसे मार्केट में उतारा है।

दो दिवसीय इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सुबह 10 बजे कंपनी के सेलिंग एजेन्ट श्री गरीबनाथ बंका, एथनेयर के जोनल हेड श्री आदित्य तिवारी, डीलर श्री प्रमोद पोद्दार, श्री राजेश टिकमानी, श्री सुरेश केजड़ीवाल, श्री विमल तुलस्यान एवं श्री रोहन मेहता ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सुबह से ही काफी संख्या में रिटेलर्स की भीड़ देखने को मिल रही थी। सभी प्रोडक्ट्स का काफी आकर्षक डिस्प्ले नॉर्थ बिहार चैम्बर के नए हॉल में किया गया था।

कई आकर्षक प्रोडक्ट्स को बाहर से आए मॉडल्स द्वारा फैशन शो के माध्यम से रिटेलर्स के बीच प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर शहर के अलावा चम्पारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, छपरा, वैशाली लाइन के लगभग 1000 खुदरा व्यापारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर शहर के गई गणमान्य व्यक्तियों सहित कंपनी के करीब एक दर्जन पदाधिकारी मौजूद थे।

Ethnair The tradition of India | FROM THE HOUSE OF Siyaram's

सियाराम्स देश का एक पसंदीदा ब्रांड है। कंपनी का पूरे देश में लगभग 60000 रिटेलर्स का दमदार नेटवर्क है, जिसके माध्यम से इसके प्रोडक्ट्स की पहुंच सभी उपभोक्त ाओं तक है। मार्केट सियाराम्स से नए नए प्रोडक्ट्स की आशा रखती है। आज की पीढ़ी शादियों और समारोहों में कुछ अलग और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में कम्फेर्टेबल और प्लेजर वीयर फील वाले एथनिक फैब्रिक ब्राण्ड की जगह को 'एथनेयर' के माध्यम से सियाराम्स ने भर दिया है। माईक्रो फाइबर के साथ कॉटन, लिनेन, टेंसिल, विस्कोस की ब्लेंडिंग करके प्रोडक्ट्स को काफी बेहतर बनाया गया है। ये प्रोडक्ट्स न केवल फैशनेबल हैं, बल्कि लम्बे समय तक पहनने के लिए सूटेबल भी हैं। कंपनी ने अपने इस ब्रांड के पेशवा, विरासत, सितारा, मौर्या, मेवाड़ व हल्दी कलेक्शन्स को पेश किया गया है।

श्री गरीबनाथ बंका, एजेन्सी पार्टनर, नॉर्थ बिहार

सियाराम हमारे देश की जानी मानी टेक्सटाईल कंपनी है, और पिछले 44 सालों से सियाराम के प्रोडक्ट्स का पूरे हिन्दुस्तान में रिटेल किया जाता है। अभी पिछले कुछ सालों में एथनिक के कपड़ों का चलन काफी बढ़ा है, जिसे ध्यान में रखते हुए सियाराम्स ने यह एथनेयर ब्रांड लॉच किया है जिसमें एथनिक का ही पूरा कलेक्शन है, जिसमें पायजामा, कुर्ता, बंडी, शेरवानी, जोधपुरी अचकन, बन्दगला इस तरह के जो ड्रेसेज अभी शादियों या अन्य समारोहों, ट्रेडीशनल इवेन्ट्स आदि में पहने जाते हैं, इनको ध्यान में रखते हुए ये पूरा कलेक्शन लॉच किया गया है, जो एथनेयर ब्रांड के रुप में सियाराम्स के द्वारा मार्केटिंग किया जा रहा है। इसकी खासियत यह है कि इस कलेक्शन के फेब्रिक की डिजाइनों में सितारों, स्टोन तथा काफी तरह के कलर्स का प्रयोग करके काफी कलरफुल और डिजाइनदार बनाया गया है, जिससे यह शादियों या समारोहों में पहनने के लिए यह काफी उचित कपड़ा होता है। जैसे दूल्हे को शादी में काफी स्पेशल दिखना होता है, उसके अलावा आजकल तो सभी कोई शादियों तथा समारोहों में स्पेशल दिखना चाहते हैं। इस तरह के ड्रेसेज पहनने से एक अच्छा फोटो मेमोरी तैयार होता है और समारोह काफी कलरफुल और वाईब्रेंट लगता है।

श्री श्रीधर सोनी, बिसनेस हेड, एथनेयर

भूल ना जाना ०१९

RISHAB WORLD

कमला देवी चटोपाध्याय

(१८६१ - १९४६)

एक आदर्श, जिन्हें 'हाथ करघा माता' के रूप में याद किया जाता है

कमला देवी चटोपाध्याय का जन्म मद्रास राज्य में एक सम्पन्न और जागीदार परिवार में हुआ, किन्तु उनके पिता **अनन्थैया धारेश्वर** की मृत्यु हो जाने के कारण उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा।

स्वतंत्रता आन्दोलन से प्रभावित होकर वे **सेवादल** की सदस्य बन गई और आन्दोलन के साथ-साथ हेण्डीक्राफ्ट और हेण्डलूम के क्षेत्र में बहुत कार्य किये।

स्वतंत्रता के बाद उन्हें **नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, संगीत नाट्य अकादमी, सेण्ट्रल कॉटेज इण्डस्ट्रीज एम्पोरियम और क्राफ्ट कोंसिल ऑफ इण्डिया** द्वारा सम्मानित किया गया।

इन्हें सामाजिक सुधार के लिए **पद्म भूषण** और **पद्म विभूषण** का सम्मान भारत सरकार द्वारा सन् 1955 व 1987 में प्रदान किया गया।

CMAI-FAB SHOW एग्जिबिशन के तीसरे संस्करण में FABEXA अहमदाबाद की होगी विशेष पवेलियन

मुम्बई/ सत्यप्रकाश

क्लोदिंग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (CMAI) द्वारा 26-28 अप्रैल को बोम्बे एग्जीबिशन सेण्टर, गोरेगांव, मुम्बई में CMAI-Fab Show एग्जीबिशन के तीसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। एग्जीबिशन के प्रथम संस्करण की भांति तीसरे संस्करण में भी फैबेक्सा, अहमदाबाद की विशेष पवेलियन बनेगी। इस संदर्भ में CMAI-Fab Show के सहयोगी संगठन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गौरांग भगत ने चर्चा के दौरान बताया कि अहमदाबाद के गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं के लिए प्रथम संस्करण काफी अच्छा रहा, इसलिए फैब शो के तीसरे संस्करण में भी फैबेक्सा अहमदबाद की और से कई बड़े गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता इस एग्जीबिशन में डिस्प्ले लगाने के लिए तैयार हुए हैं। उन्होंने कहा कि गारमेण्ट सेक्टर से जुड़े व्यापारियों के लिए सह एग्जीबिशन फैब्रिक सोर्सिंग का बेहतरीन अवसर है। अहमदाबाद के गारमेण्ट फैब्रिक निर्माता आगामी सीजन की पूरी तैयारी के साथ नये-नये फैब्रिक डवलपमेण्ट्स इस एग्जीबिशन में प्रस्तुत करने वाले हैं। फैबेक्सा, अहमदाबाद की ओर से भाग ले रहे गारमेण्ट फैब्रिक निर्माताओं का कहना है कि वे एग्जीबिशन की तैयारी जोर-शोर से कर रहे हैं। आगंतुक रेडीमेड अपेरल निर्माताओं के लिए एक से बढ़कर एक नये फैब्रिक कलेक्शन प्रस्तुत करने वाले हैं।

विगत दिनों फैब शो एग्जीबिशन को लेकर CMAI के साथ Fabexa मैनेजिंग कमेटी की मीटिंग हुई, जिसमें CMAI के मेंटर श्री राहुल मेहता, प्रेसिडेंट श्री राजेश मसनद, एग्जीबिशन चेयरमैन श्री नवीन सयानी सहित मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के प्रेसिडेंट श्री गौरांग भगत Fabexa की और से संयोजक श्री बाबूलाल सोनीगरा, फेयर कमेटी चेयरमैन श्री अमीष शाह, वाइस प्रेसिडेंट श्री सोनू टेकवानी, सेक्रेटरी श्री अंकित सेठ ने प्रस्तावित एग्जीबिशन के संबध में चर्चा की।

THE FAB CMAI SHOW
FABRICS • ACCESSORIES & BEYOND

FABEXA AHMEDABAD
MASKATI CLOTH MARKET MAHAJAN

गारमेण्ट फैब्रिक्स निर्माता करेंगे विशाल सामूहिक डिस्प्ले -श्री बाबूलाल सोनीगरा

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन के कोषाध्यक्ष एवं फैबेक्सा के संयोजक श्री बाबूलाल सोनीगरा ने बताया कि CMAI संगठन बड़े-बड़े गारमेण्ट फेयर का आयोजन करवाती रहती है। फैब्रिक एवं एसेसरीज पर आधारित ये तीसरा संस्करण है, जिसमें गारमेण्ट फैब्रिक्स निर्माता विशाल सामूहिक डिस्प्ले लगाने वाले हैं। अहमदाबाद सहित मुम्बई, सूरत आदि मण्डियों के नामचीन निर्माताओं द्वारा गारमेण्ट फैब्रिक्स का डिस्प्ले किया जाएगा। ऐसे में यह एग्जीबिशन मेन्स, वीमेन्स एवं किड्स अपेरल निर्मातओं के लिए फैब्रिक सोर्सिंग का अच्छा अवसर है। एग्जीबिशन में अहमदाबाद के फैब्रिक निर्माताओं द्वारा कॉटन सूटिंग-शर्टिंग, निटेड फैब्रिक्स, होजियरी, डेनिम, लेडीज ड्रेस मटीरियल का आकर्षक डिस्प्ले किया जाएगा।

आपका नजरिया ही आपको औरों से अलग एवं बेहतर बनाता है -श्री उज्ज्वल अग्रवाल

"आप अपने मुकाम को सफल बनाने के लिए औरों से अलग एवं बेहतर नजरिया बनाते हैं, तभी आप अलग दिखाई देते हैं और तभी आप मुकाम पर पहुँच पाते हैं अर्थात सफल हो पाते हैं। यह सब बाते मैं आपको इसलिए बता रहा हूँ कि यदि हम इतिहास के पन्नों में झाँकते हैं तो हमें कुछ महान नेताओं, राजाओं, समाज सुधारकों तथा साधु सन्तों की अनेकों गौरव गाथा मिल जायेगी जिनसे हमे प्रेरणा मिलती है, क्योंकि उनकी सफलता के पीछे उनका नजरिया सबसे अलग था। मान लीजिए यदि आपको एक रेस कॉम्पीटीशन में हिस्सा लेना है और उसे जीतने के लिए आप क्या-क्या तैयारियां करते हैं, सुबह पहले उठते हैं, वर्जिश करते हैं, रेस करते हैं। इसी तरह अन्य भी उसी रेस को जीतने के लिए तैयारी करते हैं, क्योंकि उनको भी तो रेस जीतनी है। हमें उस रेस को जीतने के लिए उनसे अलग नजरिये से मेहनत करनी होगी। उनसे अलग और बेहतर सोचना एवं करना होगा तभी हम उस रेस को जीत पायेगें, क्योंकि उस रेस को जीतने के लिए सभी दौड़ेंगे। यदि हमारा नजरिया औरों से अलग होगा तो हमें उस रेस को जीतने के लिए कोई रोक ही नहीं सकता। हमें सफलता को छूने के लिए सबसे पहले टारगेट फिक्स करना होगा, उसको छूने के लिए दृढ निश्चय बनाना होगा, और कड़ी मेहनत करनी होगी तभी हम सफल हो पायेंगे। आपने देखा होगा जब धावक दौड़ रहे होते हैं, तो कोई धावक अपनी नजर इधर-उधर लगाने से गिर जाते हैं या पीछे रह जाते हैं। कोई लाईन तोड़ देता है तो वह बाहर हो जाता है लेकिन जिस धावक को उस रेस को जीतना होता है, वह अपने लक्ष्य, दृढ निश्चय, इधर-उधर की तरफ नजर न लगाते हुये सिर्फ अपने लक्ष्य की तरफ दौड़ता है तो धावक उस रेस को जीत लेता है, क्योंकि उसका नजरिया औरों से अलग होता है, जो उसको औरों से बेहतर बनाता है।
यह बात रेस कम्पीटीशन पर ही नहीं प्रत्येक फील्ड पर लागू होती है"

ये विचार व्यक्त करते हुए भिवानी-हरियाणा स्थित प्रसिद्ध मेन्स फैशन फैब्रिक निर्माता कम्पनी चिनार फैब्रिक्स के डायरेक्टर श्री उज्ज्वल अग्रवाल ने बताया कि यदि मैं बात करूँ, टेक्सटाइल मार्केट की, तो आप जानते हैं कि देश की असख्य कम्पनियां कपड़ा कारोबार करती है लेकिन आज कपड़ा मार्केट में सफल उद्यमी वही है, जो औरों से हटकर बेहतर नजरिया रखकर अपनी मार्केटिंग टीम को बेहतर बनाता है तथा बाजार में ब्राण्डेड उत्पाद उचित मूल्य पर बेहतर डिजाईन के साथ उपलब्ध करवाता है, जिसके कारण उस उद्यमी की ग्राहकी पूरे साल बराबर बनी रहती है, उसके पीछे सफल उद्यमी का अपना अलग नजरिया होता है जिसके कारण उसको औरों से अलग तथा बेहतर बनाता है।

मेरा मानना है कि एक सफल उद्यमी को अपनी मार्केटिंग टीम को अपने परिवार की तरह ट्रीट करना चाहिए। उनके मान व सम्मान में कमी नहीं आने देनी चाहिए तथा उनके दुःख दर्द में उनकी मदद करनी चाहिए क्योंकि वे सब हमारे रेस के घोड़े हैं और उनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि उनके द्वारा ही हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। यदि हम अपनी मार्केटिंग टीम को परिवार की तरह ट्रीट करेंगे और उनके अन्दर लक्ष्य प्राप्ति के लिए मोटीवेशन जैसी बातों से प्रेरित करेंगे तो लक्ष्य को प्राप्त करने से कोई रोक नहीं पायेगा। यदि हम इतिहास के पन्नों में झांकते है तो महाभारत की एक कथा में एकलव्य ने अर्जुन से भी अच्छा धनुषधारी बनने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित किया और द्रोणाचार्य की मिट्टी की मूर्ति बनाकर गुरू मानते हुये अपने लक्ष्य की तरफ भागता रहा। उसने कभी भी इधर-उधर की बातों की तरफ ध्यान नही दिया, केवल लक्ष्य को प्राप्त करने पर ही ध्यान दिया और एक दिन उसने द्रोणाचार्य के सामने ही साबित कर दिया था कि वह अर्जुन से बढ़कर धनुर्धारी है। यह तभी सम्भव हो पाया कि उसका एक ही लक्ष्य और दृढ निश्चय था कि सबसे बेहतर करना, इसलिए एकलव्य को औरों से बेहतर उसके नजरिये ने ही बनाया था। इस तरह के और भी अनगिनत गाथाऐं जिनकी हम चर्चाए करते थक जायेगें लेकिन गाथाएं खत्म नहीं होगी क्योंकि हर एक का सफल बनने के लिए नजरिया अलग होता है, जिससे वह औरों से बेहतर दिखाई देता है अर्थात् आपका नजरिया ही आपको औरों से अलग और बेहतर बनता है।

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023 RNI Registration No. 71772/98

22 मार्च से 6 अप्रैल, 2023

गारमेण्ट के बड़े ब्रांड फेस्टिव सीजन की तैयारी में जुटे

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

रेडीमेड गारमेण्ट में ग्राहकी का अभाव है। खुदरा कारोबार चरमरा सा गया है। बाजार का रुख इतनी तेजी से पलटा, इसकी संभावना नहीं थी। गारमेण्ट के सभी खंडों अर्थात् जेंट्स, किड्स और लेडीज वीयर में बिक्री का सन्नाटा है। रिटेल कारोबार में कोई दम नहीं है। मार्च एंडिंग के कारण धन का भारी अभाव है और इस कारण रिटेल मांग कमजोर है।समर सीजन के माल की डिस्पेचिंग हो रही है। गारमेण्ट में नवीन वेराइटी और बाजार ट्रेंड के बारे में चौकन्ना रहना होता है, इसलिए बड़े ब्रांड में आगे की सीजन की तैयारी पांच से छह महिने पहले ही शुरू कर दी जाती है। अब ऐसे ब्रांड फेस्टिव सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। समर सीजन की पूरी तैयारी हो चुकी है और उत्पाद भी तैयार है। गरमी की सीजन शुरू हो गई है, इसलिए अधिकतर व्यापारियों का कहना है कि यह मंदी कुछ दिनों की है। 22 मार्च से नवरात्रि शुरू हो रही है, उसके पहले ही बाजार में बिक्री का एक अच्छा दौर शुरू होने की पूरी संभावना है। रमजान का महिना भी मार्च में ही शुरू हो रहा है। यद्यपि थोक कपड़ा बाजार में रमजान की ग्राहकी नहीं चली है, लेकिन ईद से पहले रेडीमेड गारमेण्ट में कारोबार अच्छा चलने का अनुमान है। आमतौर पर अब गार्मेंट सभी साइज में आसानी से सुलभ हो रहे हैं, इसलिए कपड़ों को सिलाने से अच्छा तैयार नवीन फैशन के गारमेण्ट खरीदने पर लोगों का अधिक जोर होता है। कपड़ों की सिलाई बहुत अधिक हो गई है, जबकि तैयार परिधान उचित दाम पर उपलब्ध हो रहे हैं। कपड़ों का फैशन सदाबहार होता है। हर सीजन के हिसाब से नये परिधान बाजारों में आते हैं और बिकते हैं लेकिन गर्मी के सीजन में आमतौर पर कई बार ऐसे कपड़ों को पहन लेते हैं, जिससे और अधिक गर्मी का अनुभव होने लगता है। वैसे भी देश में पोलिएस्टर और सिंथेटिक कपड़ों की तुलना में कॉटन एवं विस्कोस मिश्रित कपड़ों के परिधान अधिक पसंद किए जाते हैं। किड्स में कॉटन अधिक चलता है, तो वहीं लेडीजवीयर में सिंथेटिक एवं कॉटन दोनों का उपयोग होता है। जेंट्स में बोटम में पहले सिंथेटिक एवं कॉटन कपड़ों को प्राथमिकता होती है, लेकिन शर्टिंग में इस सीजन में कॉटन को ही अधिक पसंद किया जाता है और यही कारण है कि गरमी के कपड़ों में सुधार के संकेत हैं।

पोलिएस्टर से बने टॉप्स एवं ड्रेसेस देखने में बहुत ही सुंदर और अच्छे दिखाई देते हैं, लेकिन सिंथेटिक कपड़ा गर्मी के सीजन में बॉडी से पसीना नहीं सोखता है, उल्टे पहनने में और गर्मी का अहसास करता है। इसलिए इस सीजन में ऐसे कपड़ों को अधिक पसंद किया जाता है, जिसको पहने से गर्मी कम लगे और शरीर में किसी तरह की चुभन नहीं हो, यद्यपि अभी शर्टिंग का बाजार ठंडा है। गरमी के दिन होने से कॉटन एवं लिनन से तैयार शर्टिंग में कारोबार बढ़ने का अनुमान है। रमजान एवं ईद को देखते हुए सफेद कपड़ों की मांग को बल मिल सकता है। गरमी के कारण रिटेल काउंटरों पर तैयार सफेद कपड़ों से बने परिधानों की अच्छी बिक्री होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

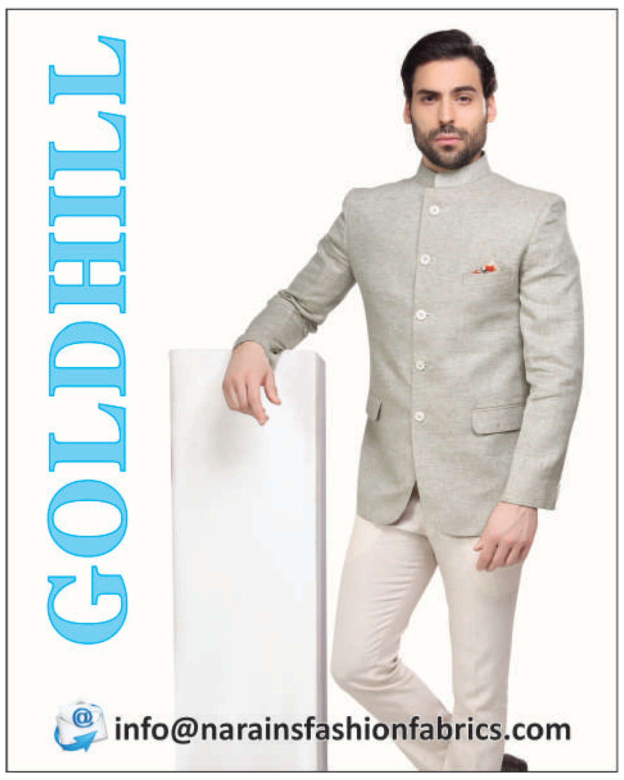

कॉटन, लिनन सफेद शर्टिंग में ग्राहकी चलने की आशा

मुंबई/ रमाशंकर पांडेय... कपड़ा बाजार में ग्राहकी नहीं है। रमजान का महीना 22 मार्च से शुरू हो रहा है, लेकिन थोक बाजार में रमजान की ग्राहकी नहीं चली है। मार्च के महीने में आमतौर पर कपड़ा एवं गारमेण्ट में काम काज कम हो जाता है और बाजार में धन की भारी किल्लत दिखाई देती है। वर्षांत के कारण व्यापारियों को कई तरह के वित्तीय प्रावधान करने होते हैं, जिससे बाजार में आर्थिक संकट बढ़ता है। रेडीमेड गारमेण्ट का बाजार ठंडा है, ग्राहकी का नामोनिशान नहीं है। रुई और कॉटन यार्न के नरम पड़ने से ग्रे कपड़ों की मांग पर असर पड़ रहा हैं। यद्यपि यह सीजन गरमी के कपड़ों का होने से ग्रे कपड़ों में भाव एक से दो रू तक ऊंचे बोले जा रहे है। कॉटन एवं लिनन में ग्राहकी रहने की संभावना है। समर सीजन की तैयारी पूरी है। सूती कैम्ब्रिक, मलमल, लोन इत्यादि जिनकी इस सीजन में मांग अधिक रहा करती है, उनके फिनिश तैयार माल का भरपूर स्टॉक व्यापारियों ने कर रखा है। इतना ही नहीं, फिनिश कपड़ों के भाव भी एक से दो रू मीटर अधिक बोले जा रहे हैं। व्यापारियों को इंतजार सिर्फ बाजार में ग्राहकी निकलने की है। होली बाद ग्राहकी निकलने की आशा अभी तक फलीभूत नहीं हो सकी है। जहां तक कपड़ों के उत्पादन का सवाल है, भिवंडी में कारीगरों की कमी है। होली के लिए गांव गए कारीगर अभी तक नहीं लौटे हैं, इसलिए कारीगरों के अभाव में कपड़ों का उत्पादन कम उतर रहा है। इसके साथ ही गरमी अधिक पड़ने कॉटन यार्न के टूटने के मामले भी बढ़ गए हैं। कपड़ों में उत्पादन मांग से कम है। फिर भी बाजारों में सीजन जैसी ग्राहकी नहीं है, इसलिए कपड़ों का कोई अभाव नहीं लग रहा है। सुदूर बाजारों के रिटेल व्यापारी एवं देसावरी मंडियों से ग्राहक तैयार माल अपनी जरूरत के अनुसार खरीद करना चाहते हैं। अधिक स्टॉक करना नहीं चाहते हैं। शादियों के मुहूर्त अधिक होने पर भी बाजारों में कारोबार कम हो गया है। मंदी हो या तेजी प्रतिष्ठित ब्रांडों सहित जिन व्यापारियों की वित्तीय स्थितियां ठोस है और उनके कपड़ों की गुणवत्ता उम्दा किस्म की है, उनके पास इस दौरान भी कामकाज अधिक हो रहा है। कम उत्पादन एवं मांग के बल पर कॉटन, रेयॉन, रोटो, पेटीकोट, अस्तर के कपड़ों और गारमेण्ट कपड़ों में कारोबार निरंतर सुधर रहा है।

शर्टिंग में उठाव नहीं है। पोलिएस्टर शर्टिंग बिलकुल ठंडा है। गरमी के दिनों में कॉटन एवं लिनन के साथ सूती सफेद शर्टिंग में अच्छी ग्राहकी चलने की उम्मीद है। साड़ियों फैंसी वेराइटी की मांग बनी हुई है। मीडियम रेंज में कारोबार है, अधिकतर सूरत की साड़ियां ही इस रेंज में चलती है। कॉटन साड़ियों में उठाव नहीं है लेकिन ब्लाउज मटीरियल में ग्राहकी का सपोर्ट बिल्कुल नहीं है। साउथ की मांग सबसे अधिक घटी है। पहले के ऑर्डर भी नहीं उठाए जा रहे हैं। टू वाई टू रूबिया का बाजार भाव 70 से 80 रू है, तो टू वाई वन रूबिया का 60 से 65 रू के बीच है। टेरी रूबिया 55 से 60 रू के बीच झूल रहा है। फैंसी वेराइटी के भाव घटकर 80 से 90 रू के बीच हो गए हैं।

रिटेल काउंटरों पर अभी तक चहल पहल अच्छी रही है। सूटिंग, शर्टिंग, सफारी सूट, शेरवानी कपड़ों के साथ कम्बो पैक, साड़ियों की मांग के बल पर बाजारों में थोड़ी बहुत रौनक है। सूटिंग एवं शर्टिंग में ब्रांडेड मिलों की ही मांग है। सस्ती एवं कम रेंज की सूटिंग की बिक्री घट रही है। साड़ियों में फैंसी वेराइटी की मांग है। पोस्टर साड़ियों की बिक्री अधिक है। कपड़ों में कामकाज के लिहाज एक अल्पविराम की संभावना है। इस बीच गरमी के पतले कपड़ों और स्कूल यूनिफार्म कपड़ों में कारोबार अच्छा चलने की संभावना व्यक्त की गई है। स्कूल यूनिफॉर्म में अच्छे कारोबार होने की सभी को उम्मीद है। यूनिफॉर्म के व्यापारी खरीदी करने में लग गए हैं। भीलवाड़ा की सूटिंग में अच्छी डिमांड है।

देश से निर्यात कारोबार के संकेत बहुत अच्छे नहीं हैं। वित्तवर्ष 21 एवं 22 की तेजी के बाद वित्तवर्ष 23 में होम टेक्सटाइल का निर्यात 16-18 प्रतिशत कम होने का अनुमान है। वित्तवर्ष 21 एवं 22 में भारत के टेक्सटाइल का निर्यात क्रमशः 29.9 और 44.4 अरब अमेरिकी डॉलर था, वहीं 23 में अमेरिका एवं यूरोप की मांग घटने के कारण इसमें गिरावट संभावना है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि टेक्सटाइल उद्योग में रेडीमेड गारमेण्ट के बाद होम टेक्सटाइल का निर्यात में सबसे ज्यादा योगदान रहता है। इसमें बेड, टेबल और बाथ लीनन का निर्यात अधिक रहा है। इनके प्रमुख निर्यात बाजार अमेरिका एवं यूरोप के बाजार हैं, जहां हाल के दिनों में बढ़ती महंगाई और मंदी से निर्यात प्रभावित हुआ है। इतना ही नहीं, सूत्रों का यह भी कहना है कि भारत के टेक्सटाइल निर्यात मांग को कॉटन जैसे कच्चे माल के मूल्य बढ़ने से भी झटका लगा था। इससे फिनिश माल की कीमत ऊंची हो गई और इस कारण इनकी मांग पर असर पड़ा। वित्तवर्ष 22 और वित्तवर्ष 23 की पहली तिमाही में कॉटन की कीमतों में माह दर माह काफी तेजी दिखाई दी। यह तेजी मई 22 तक जारी रही। उसके बाद रुई की कीमतें घटी, लेकिन कॉटन टेक्सटाइल के निर्यात को यह वृद्धि डेंट कर गई। यद्यपि रुई की कीमतें सर्वाधिक ऊंचे भाव प्रति खंडी 1.10 लाख रू से घटकर अक्टूबर 22 में 65 हजार रू प्रति खंडी के करीब हो गया था और उसी के करीब है, तथापि अभी भाव कोविड पूर्व के स्तर से अधिक रहा है।

सरकार का प्रयास है कि कपड़ा उद्योग प्रतिस्र्धक बने -श्री गोयल

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा...सरकार प्रयास कपड़ा उद्योग को विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धक बनाने का है, लेकिन इसके साथ उद्योग भी नई प्रौद्योगिकी का लाभ उठाए, नए प्रयोग करें और अपनी पुरानी गरिमा को दोबारा प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करें। यह बात केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने विगत दिनों जयपुर में सम्पन्न हुए ग्लोबल टेक्सटाइल कॉनक्लेव का उद्घाटन करते हुए कपड़ा उद्यमियों से कही। उन्होंने कहा कि आज सस्टेनीबिलिटी अपनाने की जरुरत है, जो हमें जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि टेक्सटाइल उद्योग को एक ऐसा इकोसिस्टम उपलब्ध कराया जाए जहां सभी आधारभूत सुविधा एक ही स्थान पर प्राप्त हों तथा उद्योग प्रधान मंत्री के 5 एफ विजन को पूरा करते हुए विश्व बाजार में प्रतिर्स्धक बन जाए। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व प्रधान मंत्री ने टेक्सटाइल उद्योग को पांच एफ का फार्मूला दिया था। यानि फार्म टू फाईबर टू फैक्टरी टू फैशन टू फॉरेन। अर्थात खेत से लेकर निर्यात यानि विश्व बाजार तक की वैल्यू चेन को पुर्नस्थापित किया जाए। श्री गोयल ने कहा कि प्रधान मंत्री श्री मोदी ने टेक्सटाइल उद्योग के लिए पीआईएल, समर्थ, नैशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन, टेक्सटाइल के छोटे-छोटे क्लस्टर स्थापित करने की योजना, सिल्क उद्योग के विकास के लिए सिल्क समग्र, जूट उद्योग के लिए जूट-आई केयर, आरओएससीटीज स्कीम आदि ऐसी योजनाएं हैं, जो सरकार ने टेक्सटाइल उद्योग के विकास के लिए लागू की हुई हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि सरकार का प्रयास है कि टेक्सटाइल उद्योग के विकास में आ रही कठिनाईयों को दूर किया जाए व सभी मंत्रालय एक साथ मिल कर कार्य करें।

श्री गोयल कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस प्रकार के सामुहिक प्रयास से आने वाले समय में इसके असाधारण परिणाम मिलेंगे और पूरी परिस्थिति को बदलने में सहायता मिलेगी। उन्होंने उद्योग से आग्रह किया कि वह भी सस्टेनीबिलिटी और सर्कुलरिटी की दिशा में प्रयास करें। श्री गोयल ने उद्यमियों से कहा कि वे अपने कारोबार को तीन पी -पीपुल, प्लानेट और प्रोफिट- के आधार पर करें और इसके लिए सामुहिक रुप से अनुसंधान तथा विकास के लिए आईआईटी, डीआरडीओ, एनआईएफटी आदि के सम्पर्क में रहें तथा सप्लाई चेन में निरंतरता बनाएं रखें। उन्होंने उद्योग से कहा कि वह जीरो डिफैक्ट-जीरो इफैक्ट को सफलता मंत्र बनाएं। ग्लोबल टेक्सटाइल कॉनक्लेव- व्यापार संवर्धन कार्य म के तहत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कांफैडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सिटी) ने तीसरे ग्लोबल टेक्सटाइल कानक्लेव का आयोजन 15 से 17 मार्च तक जयपुर में किया था। इस कॉनक्लेव का उद्देश्य 'स्थिरता और संतुलन के लिए रणनीति तथा टेक्सटाइल वेल्यू चेन में लाभदायकता' था। इस तीन-दिवसीय आयोजन के दौरान विश्व के टेक्सटाइल्स और क्लोदिंग सैक्टर के व्यापारियों के साथ बातचीत, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रेजेंटेशन, बायर-सेलर मीट, पुरस्कार वितरण समारोह, प्रदर्शनी का आयोजन और विशेष प्रकाशन जारी किए गए। कुल मिला कर इस आयोजन में पूरी टेक्सटाइल श्रृंखला शामिल हुई अर्थात् फार्म से फैशन तक सभी गतिविधियों पर विचार किया गया। सिटी के अनुसार कुल मिलाकर इस आयोजन में भाग लेने पर न केवल टेक्सटाइल और क्लोदिंग उद्योग के 400-500 दिग्गजों से बातचीत करने का अवसर मिला अपितु एक ऐसा प्लेटफार्म भी मिला, जहां पर इस उद्योग के वर्तमान और भविष्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 2018 में इस प्रकार का पहला आयोजन किया गया था और 2021 में दूसरा। इन दोनों आयोजनों का घरेलू और वैश्विक स्तर पर सराहा गया था।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**